सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

# परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 334, नई दिल्ली । सोमवार, 10 फरवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

**आज का सुविचार**

कष्ट सहने पर ही हमें अनुभव होता है और दर्द हो, तभी हम सीख पाते हैं।

03 'यह दिल्ली की जनता का जनादेश, हम इसका सम्मान करते हैं' : आतिशी
06 मानसिक समस्याओं से जूझते बच्चे
08 रिदमशाला: बच्चों के लिए रिदम का महत्व

## दिल्ली- एनसीआर में वाहन चालकों के लिए खुशखबरी

### केजीपी एक्सप्रेसवे पर इंटरचेंज की सुविधा समेत 2 तगड़े फायदे

परिवहन विशेष न्यूज

**नई दिल्ली/पलवल** । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और NCR क्षेत्र में सफ़र करने वाले लोगों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है. बता दें कि अलीगढ़ से आवाजाही करने वाले भारी वाहन अब दिल्ली- आगरा हाइवे पर अटोंहा गांव के नजदीक बनें इंटरचेंज से उतर- चढ़ सकेंगे. कुंडली- गाजियाबाद- पलवल ( KGP ) एक्सप्रेसवे के निर्माण के बाद से ही लोग पलवल- अलीगढ़ रोड पर इंटरचेंज बनाने की मांग कर रहे थे.

लोगों की मांग पर केंद्रीय सड़क मंत्री नितिन गडकरी ने इसकी मंजूरी देते हुए इस प्रोजेक्ट के लिए 65 करोड़ रूपए का बजट मंजूर किया था.

**15 दिन में पूरा होगा इंटरचेंज निर्माण कार्य**

नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ( NHAI ) ने 2023 में KGP एक्सप्रेसवे से पलवल- अलीगढ़ रोड को जोड़ने के लिए इंटरचेंज का निर्माण कार्य शुरू किया था. अब इसी महीने के अंदर इस काम को पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद भारी वाहन अटोंहा गांव के नजदीक दिल्ली- आगरा हाईवे पर बने इंटरचेंज से KGP एक्सप्रेसवे पर उतर- चढ़कर अलीगढ़ की ओर आवाजाही कर सकेंगे. यही नहीं गुरुग्राम, मानेसर, रेवाड़ी और आगरा की ओर से आने वाले वाहन भी पलवल शहर में आने के बजाय पेलक इंजरचेंज से अलीगढ़, जेवर और नोएडा एयरपोर्ट के लिए फर्राटा भर सकेंगे.

**इन गांवों को मिलेगा फायदा**

इस इंटरचेंज के बनने से पेलक, ताराका, चांदहट, घोड़ी, रामपुर खोर, मीसा, सिहौल, गुरवाड़ी, किठवाड़ी, खजूरका और बड़ौली आदि गांव सीधे KGP एक्सप्रेसवे से जुड़ जाएंगे. इन गांवों के लोग भी जेवर और नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए आसानी से आवागमन कर सकेंगे.

15 दिन के अंदर KGP एक्सप्रेसवे का पेलक इंटरचेंज शुरू हो जाएगा. इसका निर्माण कार्य अंतिम दौर में पहुंच चुका है. इससे एक और पलवल शहर को ट्रैफिक जाम से छुटकारा मिलेगा तो वहीं दूसरी ओर जेवर एयरपोर्ट तक आवागमन करने के लिए अतिरिक्त दूरी तय करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

*- डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ, डीसी, पलवल*

## हरियाणा रोडवेज के सभी बस स्टैंड से प्रयागराज जाने वाली बसों का टाइम-टेबल

(01) सोनीपत से प्रयागराज - 12:00 दोपहर, 724 किलोमीटर, 1124/- किराया।

(02) जींद से प्रयागराज - 12:00 दोपहर, 824 किलोमीटर, 1124/- किराया।

(03) सिरसा से प्रयागराज - 10:00 बजे सुबह, 950 किलोमीटर, 1250/- किराया

(04) फतेहाबाद से प्रयागराज - 12:00 बजे दोपहर, 910 किलोमीटर, 1200/- किराया।

(05) चरखी-दादरी से प्रयागराज - 02:00 बजे दोपहर, 800 किलोमीटर, 1100/- किराया।

(06) कैथल से प्रयागराज - 11:00 बजे सुबह, 871किलोमीटर, 1190/- किराया

(07) कुरुक्षेत्र से प्रयागराज - 02:00 बजे दोपहर, 836 किलोमीटर, 1160/- किराया।

(08) नारनौल( महेंद्रगढ़ )से प्रयागराज - 01:00 बजे दोपहर, 789 किलोमीटर, 1074/- किराया।

(09) रोहतक से प्रयागराज - 11:00 बजे सुबह, 758 किलोमीटर, 1100/- किराया

(10) झज्जर से प्रयागराज - 12:00 बजे दोपहर, 761 किलोमीटर, 1035/- किराया।

(11) पलवल से प्रयागराज - 08:00 बजे सुबह, 621 किलोमीटर, 890/- किराया।

(12) बल्लभगढ़ फरीदाबाद से प्रयागराज - 08:30 बजे सुबह, फरीदाबाद से सुबह 8 बजे , 651 किलोमीटर, 944/- किराया।

(13) भिवानी से प्रयागराज - 01:20 दोपहर, 850 किलोमीटर, 1115/- किराया।

(14) नूहँ से प्रयागराज - 09:00 बजे सुबह, 656 किलोमीटर, 900/- किराया।

(15) चंडीगढ़ से प्रयागराज ( वॉल्वो ) 02:20 दोपहर, 905 किलोमीटर, 2800/- किराया।

(16) चंडीगढ़ से प्रयागराज ( HVAC Bus) 10:00 बजे सुबह, किराया - 1660/-

(17) करनाल से प्रयागराज - 02:00 बजे दोपहर, 848 किलोमीटर, 1120/- किराया।

(18) रेवाड़ी से प्रयागराज - 04:00 बजे शाम, 1010/- किराया।

(19) दिल्ली से प्रयागराज - 03:00 बजे, 05:00 बजे शाम, 985/- किराया।

*अधिक जानकारी हेतु नजदीकी बस स्टैंड पर संपर्क करें*

## दिल्ली-जयपुर हाईवे पर चलती ट्रॉली में लगी आग, ड्राइवर और कंडक्टर ने कूदकर बचाई जान

गुरुग्राम के पटौदी में दिल्ली जयपुर हाईवे पर शनिवार रात एक चलती ट्रॉली में अचानक आग लग गई। ट्रॉली में कोयला भरा हुआ था। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। हाईवे पर बसंत होटल के पास ट्राली के अगले हिस्से में अचानक आग लग गई। चालक व परिचालक ने ट्राली को सड़क किनारे रोककर बाहर कूदकर अपनी जान बचाई।

**गुरुग्राम**। गुरुग्राम के पटौदी में दिल्ली जयपुर हाईवे पर शनिवार रात एक चलती ट्रॉली में अचानक आग लग गई। ट्रॉली में कोयला भरा हुआ था। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार कोयले से लदा ट्रॉली धारूहेड़ा से गुरुग्राम की तरफ जा रहा था। हाईवे पर बसंत होटल के पास ट्राली के अगले हिस्से में अचानक आग लग गई। चालक व परिचालक ने ट्राली को सड़क किनारे रोककर बाहर कूदकर अपनी जान बचाई।

**मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियां**

आग लगने की घटना की सूचना दमकल विभाग व पुलिस को दी गई। दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया तथा उसे फैलने से रोका। ट्राली कोयले से भरा हुआ था।

**आग पर पाया काबू**

यदि दमकल विभाग की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंचती तो कोयले में आग लगने से आग विकराल रूप ले सकती थी। इस घटना में ट्रॉली के टायर व अगला हिस्सा पूरी तरह जल गया, वहीं कोयला भी क्षतिग्रस्त हो गया।

## नोएडा एयरपोर्ट को देवभूमि से जोड़ेगा यूटीसी

### उत्तराखंड के विभिन्न शहरों से बढ़ेगी कनेक्टिविटी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) और उत्तराखंड परिवहन निगम (यूटीसी) के बीच क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत एनआईए के वाणिज्यिक शुभारंभ के साथ ही देहरादून ऋषिकेश हरिद्वार और हल्द्वानी सहित उत्तराखंड के प्रमुख शहरों के लिए सीधी बसें संचालित की जाएंगी। यह पहल पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

**जेवर**। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (एनआईए) और उत्तराखंड परिवहन निगम (यूटीसी) के बीच शुक्रवार को समझौता किया गया। इस समझौते तहत नोएडा एयरपोर्ट का अप्रैल में वाणिज्यिक शुभारंभ के साथ ही देवभूमि उत्तराखंड के देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार और हल्द्वानी के अलावा प्रमुख शहरों के बीच सीधे बसों को संचालन किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि यह पहल क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के साथ पर्यटन और आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाएगी। एनआईए के अलावा एनसीआर व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों से यात्रियों को सुगम यात्रा कराएगा। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने बताया कि एयरपोर्ट के पहले चरण में एक रनवे और एक टर्मिनल के साथ सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता होगी। चौथा चरण पूरा होने तक यात्रियों की संख्या सात करोड़ सालाना तक पहुंच जाएगी।

**नोएडा से उत्तराखंड के शहरों के बीच बढ़ेगी कनेक्टिविटी**

एयरपोर्ट दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को भारत और दुनिया के अन्य शहरों से जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड परिवहन निगम के साथ समझौता देवभूमि के निर्बाध सफर का महत्वपूर्ण कदम है। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के साथ ही पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के साथ ही यात्रियों का आवागम आसान करेगा। प्रबंध निदेशक उत्तराखंड परिवहन निगम ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के साथ एमओयू से नोएडा से देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार और हल्द्वानी जैसे शहरों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा।

**नोएडा एयरपोर्ट के पास घर पाने का सपना होगा पूरा**

हजारों लोगों के लिए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में अपने घर का सपना पूरा होगा। प्राधिकरण ने शुक्रवार को पांच ग्रुप हाउसिंग भूखंड का नीलामी के आधार पर आवंटन किया, लेकिन एक भूखंड के लिए कोई खरीदार सामने नहीं आया। आवंटित भूखंडों से प्राधिकरण को आरक्षित मूल्य से 72.73 करोड़ रुपये अधिक मिला है। यमुना प्राधिकरण ने नवंबर में 20 ग्रुप हाउसिंग भूखंड की योजना निकाली थी। शर्तों में बदलाव करते हुए भूखंड के सापेक्ष न्यूनतम तीन निविदा की शर्त लागू की गई थी।

## व्यस्त समय में इन 37 जगहों पर लगता है जाम, फूलती है वाहन चालकों की सांस

हर तरीके से नुकसान इन 37 जाम के हाटस्पाटों पर रोज सुबह-शाम घंटों जाम लगने से राहगीरों को व्यक्तिगत नुकसान तो होता ही है पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। वाहनों में अधिक ईंधन जलता है। इससे वायु प्रदूषित होती है। ईंधन का अतिरिक्त खर्च आता है। जाम से ध्वनि प्रदूषण भी बढ़ता है। राहगीरों का समय बर्बाद होता है।

परिवहन विशेष न्यूज

**नोएडा**। जिले में सुबह-शाम व्यस्त समय में 37 स्थान जाम के हाटस्पाट बनते हैं। इन स्थानों पर रोजाना व्यस्त समय में जाम लगता है। इससे राहगीरों का अतिरिक्त ईंधन फुंकता है। वायु और ध्वनि प्रदूषण होता है। समय व धन की बर्बादी होती है। बावजूद इसके समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है।

**यह स्थान बनते हैं जाम के हाटस्पाट**

यातायात पुलिस ने व्यस्त समय में जाम के हाटस्पाट बनने वाले स्थानों को चिह्नित किया है। उनमें डीएनडी से ग्रेटर नोएडा की ओर उतरने वाला लूप, दलित प्रेरणा स्थल पर जीआइपी की ओर से उतरने वाला लूप, नोएडा सेक्टर-18 गुरुद्वारा के सामने, सेक्टर-18 मेट्रो के नीचे, बोटेनिकल गार्डन मेट्रो के सामने, सेक्टर-37 चौक, सेक्टर-44 गोलचक्कर कट, मयूर स्कूल गोलचक्कर, चरखा गोलचक्कर शामिल है।

इसके अलावा कालिंदी बार्डर, हाजीपुर अंडरपास, जेनेसिस ग्लोबल स्कूल गोलचक्कर, महर्षि आश्रम चौक, सेक्टर-52 मेट्रो, सेक्टर-71 यूटर्न फेज तीन थाने के सामने, सेक्टर-60 से 18 की ओर एलिवेटेड चढ़ने वाला लूप, एलिवेटेड से सेक्टर 60 की ओर उतरने वाला लूप, सेक्टर-59 मेट्रो के नीचे, मामूरा यूटर्न, लेबर चौक, माडल टाउन गोलचक्कर, छिजारसी एसजेएम तिराहा शामिल है।

**नोएडा सेक्टर-95 दलित प्रेरणा स्थल के पास दिल्ली जाने वाले मार्ग पर लगे जाम में फंसे वाहन। जागरण आर्काइव**

इसके अलावा ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बिसरख गोलचक्कर, किसान चौक, इटेहड़ा गोलचक्कर, शाहबेरी गांव, लालकुंआ, दादरी कस्बा, कंटेनर डिपो के सामने, नहर पुल चौक तिलपता, साकीपुर मोड़, सूरजपुर चौक, कुलेशरा हल्दौनी मोड़ भी हाटस्पाट बनता है। ग्रेटर नोएडा में अल्फा कामर्शियल गोलचक्कर, परी चौक, पी-3 गोलचक्कर व खेलरी नहर पुल दनकौर हाटस्पाट बन जाता है।

**रोड इंजीनियरिंग की खामी व अवैध आटो स्टैंड हैं कारण**

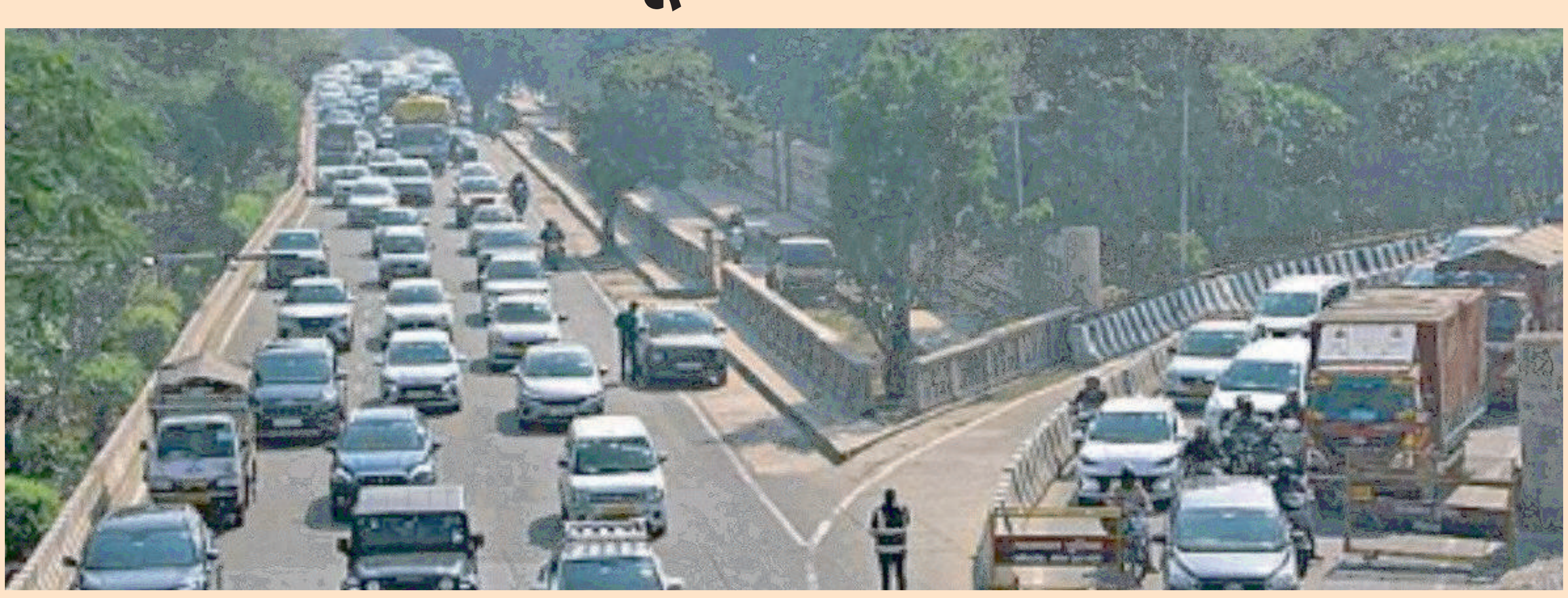

यातायात पुलिस की मानें तो ज्यादातर स्थानों के हाटस्पाट बनने का कारण रोड इंजीनियरिंग में खामी और अवैध आटो स्टैंड हैं। बतौर बानगी माडल टाउन गोलचक्कर पर आटो स्टैंड निर्धारित नहीं है। आटो से उतरने-चढ़ने और पैदल सड़क पार करने वाले लोगों की वजह से वाहनों की रफ्तार धीमी हो जाती है। व्यस्त समय में जबरदस्त जाम लगता है। सेक्टर-37 में आटो व बस स्टैंड की वजह से जाम लगता है।

इसी तरह सेक्टर-71 में यूटर्न कम चौड़ा होने के कारण हाटस्पाट बनता है। एलिवेटेड से सेक्टर-60 की ओर उतरने वाले लूप के हाटस्पाट बनने का कारण लेफ्ट यूटर्न का चौड़ा न होना है। लेबर चौक पर फुटओवरब्रिज न होने से जाम लगता है। छिजारसी एसजेएम तिराहा पर मार्ग का कम चौड़ा होना और स्थायी यूटर्न न होना हाटस्पाट का कारण बनता है। इटेहड़ा गोलचक्कर को बंद करके यूटर्न बनाए जाने पर यहां का हाटस्पाट खत्म हो सकता है।

**यातायात पुलिस की पड़ती है आवश्यकता**

व्यस्त समय में जाम के हाटस्पाट बनने वाले ज्यादातर स्थानों पर यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती होती है। बावजूद इसके समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा है। कई बार जाम लंबा होने पर अतिरिक्त यातायात पुलिसकर्मियों की जरूरत पड़ती है। यदि रोड इंजीनियरिंग, आटो स्टैंड व अन्य समस्याओं का समाधान हो तो जाम नहीं लगेगा।

रोड इंजीनियरिंग की खामियों को दूर कराने के लिए प्राधिकरणों से पत्राचार किया जा रहा है। सुझाव के मानते हुए गौर चौक पर काम भी शुरू हो गया है। जाम के हाटस्पाटों पर यातायात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाकर यातायात को सुगम बनाने पर जोर है।

**- लखन सिंह यादव, पुलिस उपायुक्त, यातायात, गौतमबुद्ध नगर**

# उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव, कैरियर, रोग तथा उपाय

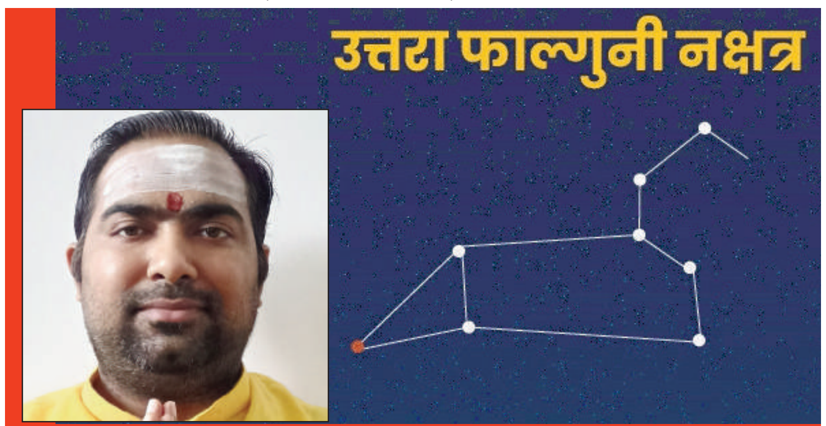


ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश पौराणिक (इंजी.)

उतरा फाल्गुनी हमारे नक्षत्र मंडल में उपस्थित 27 नक्षत्रों में अपना 12 वां स्थान रखता है। इस नक्षत्र में सिंह राशि के 26°40' से लेकर कन्या राशि के 10° तक चंद्रमा का गोचर रहता है। उतरा फाल्गुनी का अर्थ है बाद के दो पलंग के पाया। उतरा फाल्गुनी नक्षत्र का स्वामी ग्रह सूर्य तथा नक्षत्र के अधिष्ठाता देवता अर्यमा हैं।

**स्वभाव:** उतरा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे जातक धार्मिक, ईमानदार, बचपन में सुखी, विलासितापूर्ण जीवन जीने वाले, जनप्रेमी, दयालु, पर्यावरण संरक्षण व प्रेमी होते हैं लेकिन कभी कभी ये स्वार्थ पूर्ण कार्य करने वाले तथा धोखेबाज प्रवृत्ति के बन जाते हैं।

**कैरियर:** इस नक्षत्र में जन्मे जातक चार्टर्ड अकाउंटेंट, सरकारी अधिकारी, गणितज्ञ, कुशल व्यापारी, इंजीनियर, बैंक मैनेजर, फाइनेंस से जुड़े कार्य, सामाजिक कल्याण क्षेत्र, इतिहासकार, स्वर्ण चांदी का व्यापारी, पंडित, कृषि कार्य इत्यादि में सफलता प्राप्त करता है।

**रोग:** इस नक्षत्र में जन्मे जातकों को लीवर, पेट संबंधित विकार, दांतो के रोग, माइग्रेन, तनाव, महिलाओं में अनियमित मासिक धर्म जैसे रोगों से जूझना पड़ता है।

**उपाय:** इस नक्षत्र के जन्मे जातक को भगवान सूर्य की उपासना अत्यंत लाभकारी होती है। इसके अलावा ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करने से इनका मन सदैव शांत रहता है। लाल, सफेद तथा सुनहरे रंग का प्रयोग इनके लिए भाग्यशाली सिद्ध होता है।

# सोम प्रदोष व्रत

हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि महादेव को समर्पित मानी गई है. इस शुभ अवसर पर भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना की जाती है. साथ ही, उनके निमित्त प्रदोष व्रत भी रखा जाता है. धार्मिक मान्यता है कि प्रदोष व्रत को करने से व्यक्ति की हर मनोकामना पूरी होती है और जीवन में सभी संकटों से मुक्ति मिलती है. कुंडली में अशुभ ग्रहों के प्रभाव को खत्म करने के लिए भी प्रदोष व्रत रखा जाता है.

प्रदोष व्रत के दिन काले तिल को जल में मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करने से व्यक्ति को राहु-केतु और शनि की बाधा से मुक्ति मिलती है. इस समय माघ माह चल रहा है और यह महीना कुछ ही दिनों में समाप्त होने वाला है. इसके बाद फाल्गुन महीना शुरू हो जाएगा. ऐसे में आइए जानते हैं कि माघ माह का आखिरी प्रदोष व्रत कब है और पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है.

माघ माह का दूसरा प्रदोष व्रत कब है? वैदिक पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 9 फरवरी को शाम 07:25 मिनट पर शुरू होगी. वहीं, इस त्रयोदशी तिथि का समापन अगले दिन 10 फरवरी को शाम 7 बजे होगा. ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, माघ माह का आखिरी प्रदोष व्रत 10 फरवरी, दिन सोमवार को रखा जाएगा. सोमवार के दिन पड़ने के कारण इसे सोम प्रदोष व्रत कहा जाएगा. 9 फरवरी को प्रदोष काल शाम 07:25 मिनट से लेकर रात 08:42 मिनट तक है. इस दौरान भगवान शिव की पूजा एवं अर्चना कर सकते हैं.

सोम प्रदोष व्रत शुभ योग ज्योतिषियों के अनुसार, माघ माह के आखिरी प्रदोष व्रत पर दुर्लभ त्रिपुष्कर योग, प्रीति और शिववास योग का संयोग बन रहा है. इसके अलावा, इस दिन पुनर्वसु नक्षत्र का भी योग है. इन योग में भगवान शिव की पूजा उपासना करने से व्यक्ति को सभी संकटों से मुक्ति मिल सकती है.

**शुभ मुहूर्त**

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 05:20 मिनट से 06:12 मिनट तक.

विजय मुहूर्त – दोपहर 02:26 मिनट से 03:10 मिनट तक.

गोधूलि मुहूर्त – शाम 06:04 मिनट से 06:30 मिनट तक.

निशिता मुहूर्त – रात 12:09 मिनट से 01:01 मिनट तक.

सोम प्रदोष व्रत की पूजा विधि पवित्र स्थान तैयार करें: एक साफ जगह या वेदी पर भगवान शिव की मूर्ति या तस्वीर रखें।

गंगाजल से स्नान कराएं: सबसे पहले भगवान शिव की मूर्ति या तस्वीर को गंगाजल से स्नान कराएं। चढ़ावे की सामग्री: अक्षत (अन्न), बेलपत्र (बिल्वपत्र), चंदन, फूल, फल, भांग, शहद, अगरबत्ती और दीपक अर्पित करें। पंचाक्षर मंत्र का जाप करें: "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का लगातार जाप करें। शिव चालीसा का पाठ करें। भगवान शिव की स्तुति के लिए शिव चालीसा का पाठ करें।

आरती करें। कपूर या घी के दीपक से भगवान शिव की आरती करें। प्रार्थना करें। पूजा के अंत में अपने परिवार और संतान की सुख-समृद्धि की कामना करें। अगर पूजा में कोई त्रुटि हो, तो भगवान से माफी मांगें। इस पूजा विधि से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। और जीवन में सुख, समृद्धि और शांति आती है।

सोम प्रदोष व्रत का महत्व क्या है? सोम प्रदोष व्रत रखने से व्यक्ति की मनचाही इच्छाएं पूरी होती हैं। और चंद्रमा से जुड़ी समस्याओं का निवारण भी होता है। यह व्रत भगवान शिव के प्रति समर्पण का प्रतीक है। और इसे करने से आर्थिक तंगी और रोग दूर होते हैं।

सोम प्रदोष व्रत का पालन कैसे किया जाता है? सोम प्रदोष व्रत में भगवान शिव की पूजा की जाती है। इसे रखने वाले व्यक्ति को पूरे दिन उपवास करना चाहिए। और शाम के समय शिव मंदिर जाकर पूजा-अर्चना करनी चाहिए। व्रत की विधि और कथा सुनने या पढ़ने से व्रत का पूरा फल प्राप्त होता है।

प्रदोष व्रत से कौन-कौन से लाभ होते हैं? प्रदोष व्रत से इच्छाएं पूर्ण होती हैं, आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं, विवाह में आने वाली बाधाएं समाप्त होती हैं, और स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त होते हैं।

# मां दुर्गा के कई मंत्र हैं जिनका जाप करने से मां प्रसन्न होती हैं

मां दुर्गा के कुछ प्रिय मंत्र ये रहे:

07ॐ जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी।
दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते
सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये
त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोऽस्तुते
या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे
ॐ देवी शैलपुत्र्यै नमः
ॐ देवी ब्रह्मचारिण्यै नमः
ॐ देवी कूष्माण्डायै नमः
ॐ देवी स्कन्दमातायै नमः
ॐ देवी कात्यायन्यै नमः
ॐ देवी कालरात्र्यै नमः

नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है. इन सभी स्वरूपों के अलग-अलग मंत्र हैं.

# भीष्म द्वादशी

भीष्म द्वादशी माघ मास के शुक्ल पक्ष को मनाई जाती है। इस दिन भीष्म पितामह की याद में व्रत रखा जाता है। इस दिन महाभारत के भीष्म पर्व अध्याय का पाठ किया जाता है। भगवान कृष्ण की भी पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार भीष्म पितामह ने भीष्म अष्टमी के दिन ही अष्टमी तिथि को अपना शरीर त्यागा था, लेकिन उनके लिए सभी अनुष्ठान और धार्मिक क्रियाकलाप करने के लिए द्वादशी तिथि का चयन किया गया था। इसलिए उनका निर्वाण दिवस द्वादशी को मनाया जाता है।

**भीष्म द्वादशी पूजा मुहूर्त**

========================

इस वर्ष भीष्म द्वादशी 09 फरवरी 2025 रविवार को मनाई जाएगी।

द्वादशी तिथि आरंभ- 08 फरवरी 2025, 20:15 से.

द्वादशी तिथि समाप्त - 09 फरवरी 2025, 07:25 तक.

**भीष्म द्वादशी पूजा विधि**

======================

इस दिन सुबह जल्दी उठकर सभी काम निपटाकर स्नान करना चाहिए और फिर भगवान विष्णु और सूर्यदेव की पूजा करनी चाहिए।

भीष्म पितामह के लिए तिल, जल और कुशा से तर्पण करना चाहिए।

तर्पण का अनुष्ठान किसी योग्य ब्राह्मण द्वारा भी किया जा सकता है।

ब्राह्मणों को भोजन एवं दक्षिणा देनी चाहिए।

परंपरागत रूप से इस दिन पूर्वजों की भी पूजा की जाती है।

इस दिन भीष्म कथा का श्रवण करना चाहिए। मान्यता है कि इस दिन पूजा-पाठ आदि करने से व्यक्ति के कष्ट दूर होते हैं तथा पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

यह पूजा पितृ दोष से मुक्ति दिलाने में भी सहायक होती है।

**भीष्म द्वादशी पर तिल का दान करें**

==========================

भीष्म द्वादशी के दिन तिल दान का भी महत्व बताया गया है। इस दिन हवन किया जाता है और उसमें तिल का इस्तेमाल किया जाता है। तिल से भरे पानी से स्नान करना और तिल का दान करना दोनों ही बहुत शुभ माना जाता है। तिल का दान करने से जीवन में खुशियाँ आती हैं। सफलता के द्वार खुलते हैं। हिंदू धर्म में इस दिन को लेकर अलग-अलग मान्यताएँ हैं, लेकिन एक बात पक्की है कि इस दिन तिल का बहुत महत्व माना जाता है।

तिल से जुड़ी हर चीज, तिल के दान से लेकर भीष्म द्वादशी के दिन तिल के सेवन तक, शुभ मानी जाती है। हिंदू धर्म में तिल को पवित्र, नाशवान और पुण्यदायी माना जाता है। व्यक्ति को शुद्ध तिल एकत्रित करके अपनी क्षमता के अनुसार ब्राह्मणों को दान करना चाहिए। तिल दान करने का फल अग्नि यज्ञ के समान होता है। तिल दान करने वाले को उसका उचित फल मिलता है।

**भीष्म ने अष्टमी को त्यागे थे प्राण, लेकिन द्वादशी को हुई थी पूजा**

=================================

भीष्म द्वादशी यानी माघ मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि का समय तर्पण और पूजा के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस दिन स्नान करने से भी बहुत शुभ फल प्राप्त होते हैं। इस दिन को तिल द्वादशी भी कहा जाता है। इसलिए इस दिन तिल का दान और सेवन दोनों ही शुभ होते हैं। मान्यता है कि इसी दिन पांडवों ने पितामह भीष्म का अंतिम संस्कार किया था। इसलिए इस दिन पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध करने से उनकी आत्मा को बहुत शांति मिलती है।

मान्यता है कि भीष्म द्वादशी के दिन व्रत रखने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। जीवन में सुख-समृद्धि आती है। द्वादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा भी की जाती है। व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार ब्राह्मणों को भोजन और दक्षिणा अवश्य देनी चाहिए। इससे सुख में वृद्धि होती है। द्वादशी के दिन स्नान और दान करने से सुख, सौभाग्य और धन की प्राप्ति होती है। इस दिन गरीबों को भोजन भी कराया जाता है। इस व्रत से सभी पापों का नाश होता है। इस व्रत को करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। भीष्म द्वादशी का व्रत करने से संतोष की प्राप्ति होती है।

**भीष्म द्वादशी कथा**

======================

महाभारत में भीष्म पितामह कौरवों की ओर से युद्ध लड़ रहे थे। पांडवों के लिए भीष्म को हराना असंभव था। ऐसा इसलिए क्योंकि भीष्म को यह वरदान प्राप्त था कि वे तभी मरेंगे जब वे ऐसा करने का निर्णय लेंगे। युद्ध में भीष्म पितामह की कुशलता के कारण कौरव पराजित नहीं हो सकते थे। भीष्म को हराने के लिए एक योजना बनाई गई। इस योजना का केंद्र बिंदु शिखंडी था। पितामह ने प्रतिज्ञा की थी कि वे कभी किसी स्त्री के सामने हथियार नहीं उठाएंगे। इसलिए जब पांडवों को इस प्रतिज्ञा के बारे में पता चलता है तो वे भीष्म के साथ छल करते हैं। युद्ध के दौरान वे शिखंडी को भीष्म पितामह के ठीक सामने खड़ा कर देते हैं। अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार वे हथियार नहीं उठाते। इस अवसर का लाभ उठाकर अर्जुन भीष्म पर बाणों की वर्षा करना शुरू कर देते हैं। अंत में पितामह गिर जाते हैं और बाणों की शय्या पर लेट जाते हैं।

लेकिन उस समय सूर्य के दक्षिणायन होने के कारण भीष्म पितामह ने अपने प्राण त्यागे नहीं थे। उन्होंने सूर्य के उत्तरायण होने पर ही अपने शरीर का त्याग किया था। भीष्म पितामह ने अष्टमी तिथि को अपने प्राण त्यागे थे। हालांकि, उनकी पूजा के लिए माघ महीने की द्वादशी तिथि तय की गई थी। इसी वजह से माघ महीने की शुक्ल पक्ष द्वादशी तिथि को भीष्म द्वादशी कहा जाता है।

# पेट में गैस होना क्या है? (What is Gas?)

जब खाना खाते हैं तब पाचनक्रिया के दौरान हाइड्रोजन, कार्बनडाइऑक्साइड और मिथेन गैस निकलता है जो गैस या एसिडिटी होने का कारण बनता है। जठराग्नि की कमजोरी से मल, वात आदि रोग हो जाते हैं। इससे अन्य कई रोग होने लगते हैं। मल की अधिकता के कारण जठराग्नि कमजोर होने लगती है। जब पाचन सही प्रकार से नहीं होता है तो पेट में बनने वाली अपान वायु तथा प्राण वायु बहार नहीं निकल पाती है। गैस से होने वाले रोग से बचने के लिए आपको आयुर्वेदिक उपाय करना चाहिए। आयुर्वेद के अनुसार, वात, पित्त, कफ को शांत करके पेट में गैस की समस्या को ठीक किया जा सकता है। तीनों दोषों को शांत करने के लिए जौ, मूँग, दूध, आसव, मधु, इत्यादि का सेवन करना चाहिए।

**पेट में गैस बनने के लक्षण**

पेट में गैस बनने पर पेट में दर्द होने लगता है, लेकिन इसके अलावा और भी लक्षण है जो एसिडिटी होने पर नजर आते हैं-

1. सुबह जब मल का वेग आता है तो वो साफ नहीं होता है और पेट फूला हुआ प्रतीत होता है।
2. पेट में ऐंठन और हल्के-हल्के दर्द का आभास होना।
3. चुभन के साथ दर्द होना तथा कभी-कभी उल्टी होना।
4. सिर में दर्द रहना भी इसका एक मुख्य लक्षण हैं।
5. पूरे दिन आलस जैसा महसूस होता है।

**पेट में गैस बनने के कारण**

आयुर्वेद में वात, पित्त एवं कफ इन तीन दोषों के असंतुलन से ही सारे रोग होते हैं, तथा इनके सामान्य अवस्था में रहने से व्यक्ति रोगरहित रहता है। उदररोगों में उदरवायु सबसे आम समस्याओं में से एक देखी जाती है, यह वात के कारण होने वाला रोग है। अनुचित आहार-विहार के कारण वात प्रकुपित होकर अनेक रोगों को जन्म देता है तथा पेट में गैस की समस्या से व्यक्ति को जूझना पड़ता है। आयुर्वेद में वायु के पाँच प्रकार बताए गए हैं- प्राण, उदान, समान, व्यान एवं अपान वायु। उदर वायु समान एवं अपान वायु की विकृति से उत्पन्न होती है। लेकिन इसके पीछे बहुत सारे आम कारण होते हैं जिनके वजह से गैस होती है, चलिये इनके बारे में पता लगाते हैं।

1. अत्यधिक भोजन करना
2. बैक्टीरिया का पेट में ज्यादा उत्पादन होना
3. भोजन करते समय बातें करना और भोजन को ठीक तरह से चबाकर न खाना।
4. पेट में अम्ल का निर्माण होना।
5. किसी-किसी दूध के सेवन से भी गैस की समस्या हो सकती है।
6. अधिक शराब पीना
7. मानसिक चिंता या स्ट्रेस एसिडिटी, बदहजमी, विषाक्त खाना खाने से, कब्ज और कुछ विशेष दवाओं के सेवन
8. मिठास और सॉरबिटोल युक्त पदार्थों के अधिक सेवन से गैस बनता है।
9. सुबह नाश्ता न करना या लम्बे समय तक खाली पेट रहना।
10. जंक फूड या तली-भुनी चीजें खाना।
11. बासी भोजन करना।
12. अपनी दिनचर्या में योग और व्यायाम को शामिल न करना।
13. बीन्स, राजमा, छोले, लोबिया, मोठ, उड़द की दाल का अधिक सेवन करना।
14. कुछ खाद्य पदार्थों से कुछ लोगों को गैस बन जाता है जबकि कुछ लोगों को उससे कोई गैस नहीं बनता है जैसे; सेम, गोभी, प्याज, नाशपाती, सेब, आडू, दूध और दूध उत्पादों से अधिकांश लोगों को गैस बनती है।
15. खाद्य पदार्थ जिनमें वसा या प्रोटीन के बजाय कार्बोहाइड्रेट का प्रतिशत ज्यादा होता है, के खाने से ज्यादा गैस बनती है।

भोजन में खाद्य समूह में कटौती की सलाह नहीं दी जाती, क्योंकि आप अपने आप को आवश्यक पोषक तत्वों से वंचित भी नहीं रख सकते हैं, अक्सर, जैसे ही एक व्यक्ति की उम्र बढ़ती है। कुछ एंजाइमों का उत्पादन कम होने लगता है और कुछ खाद्य पदार्थों से अधिक गैस भी बनने लगती है। यहां तक कि स्तनपान करने वाले शिशुओं में उदरवायु यानि पेट में दर्द होने की समस्या अक्सर देखी जाती है। उचित प्रकार से स्तनपान न कराने या माता द्वारा वात बढ़ाने वाले आहार लेने से ऐसी समस्या हो जाती है। वहीं भोजन ग्रहण करने वाले बच्चों में वातवर्धक आहार, फास्ट फूड, जंक फूड इन सब के सेवन से उदरवायु की समस्या देखी जाती है.

**पेट में गैस होने पर हरड़ से फायदा**

आप हरड़ से लाभ लेकर गैस का इलाज कर सकते हैं। वायु समस्या होने पर हरड़ के चूर्ण को शहद के साथ मिक्स कर खाना चाहिए।

पेट में गैस होने पर काली मिर्च और सूखी अदरक से मदद (Black Pepper and Dried Ginger)

1. भोजन के एक घण्टे बाद 1 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच सूखी अदरक और 1 चम्मच इलायची के दानों को 1/2 चम्मच पानी के साथ मिला कर पिएं।
2. 1/2 चम्मच सूखा अदरक पाउडर लें और उसमें एक चुटकी हींग और सेंधा नमक मिला कर एक कफ गरम पानी में डाल कर पीएं। यह गैस की समस्या को खत्म करता है।

# ज्ञानामृत

**सिंदूर और बिंदी (उपयोगिता और व्याख्या)**

(1) आज्ञा चक्र का प्रतीक

* बिंदी को, माथे के मध्य में लगाया जाता है, जो "आज्ञा चक्र" का स्थान है।

* यह चक्र आत्मा और ब्रह्मांड के बीच के संबंध को मजबूत करता है।

(2) सौंदर्य और शक्ति का प्रतीक

* बिंदी स्त्री के सौंदर्य, शक्ति, और करुणा का प्रतीक है।

* यह सौभाग्य, समृद्धि, और परिवार की रक्षा का प्रतीक भी है।

(3) देवी का स्वरूप

* बिंदी को, देवी लक्ष्मी और देवी पार्वती के स्वरूप से जोड़ा जाता है।

5- वैज्ञानिक दृष्टिकोण

(1) तनाव मुक्ति -------

* बिंदी लगाने से, माथे के उस भाग पर दबाव पड़ता है, जिससे तनाव कम होता है।

* यह ऊर्जा संतुलन बनाए रखता है।

(2) रक्त संचार में सुधार यह मस्तिष्क में, रक्त संचार को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति को मानसिक शांति मिलती है।

(3) ध्यान और एकाग्रता बिंदी ध्यान को मजबूत करती है और मन को एकाग्र रखने में सहायक होती है।

6- बिंदी के प्रकार और उनके अर्थ

(1) लाल बिंदी यह ऊर्जा, शक्ति, और शुभता का प्रतीक है।

(2) चंदन या हल्दी बिंदी यह शीतलता और शुद्धता का प्रतीक है।

(3) डिज़ाइनर बिंदी आधुनिक समय में, यह फैशन और व्यक्तिगत पसंद का प्रतीक बन गई है।

7- सिंदूर और बिंदी के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलू

(1) परिवार और विवाह का प्रतीक* सिंदूर और बिंदी स्त्री के वैवाहिक जीवन की पहचान कराते हैं।

(2) सांस्कृतिक धरोहर यह भारतीय संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं।

(3) नारीत्व का प्रतीक बिंदी और सिंदूर नारीत्व, सृजन, और परिवार के प्रति उसकी जिम्मेदारी को दर्शाते हैं।

8- निष्कर्ष सिंदूर और बिंदी, सनातन परंपरा में स्त्रियों के लिए आध्यात्मिक, शारीरिक और सांस्कृतिक महत्व रखते हैं। ये केवल सौंदर्य उपकरण नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से स्त्रियां अपने पति, परिवार और धर्म के प्रति अपनी निष्ठा, प्रेम और शक्ति का प्रदर्शन करती हैं। इनका वैज्ञानिक और आध्यात्मिक पक्ष भी जीवन को सकारात्मक और संतुलित बनाए रखने में सहायक है।

# पुराणों में उल्लिखित जानकारी के अनुसार ब्रह्माण्ड का परिचय

विशेष कर पृथ्वीलोक की जानकारी सरल भाषा में प्रस्तुत है। (एक योजन यानि 12.8 किलोमीटर होता है।)_

सात द्वीपों में सबसे पहले जम्बूद्वीप की जानकारी -

स्वायम्भुव मनु के दो पुत्र प्रियव्रत और उत्तानपाद हुए।

राजा उत्तानपाद के पुत्र धर्मात्मा ध्रुवजी हुए।

राजा प्रियव्रत के 10 पुत्र हुए। इनमें तीन संन्यासी हो गए। शेष 7 पुत्रों को राजा प्रियव्रत ने सात द्वीपों का अधिपति बनाया।

राजा प्रियव्रत के प्रथम पुत्र आग्नीध्र जम्बूद्वीप के अधिपति हुए।

आग्नीध्र ने अपने नौ पुत्रों को जम्बूद्वीप के नौ खण्ड कर उसका राजा (अधिपति) बनाया।

जम्बूद्वीप के नौ खण्ड नौ पुत्रों के नाम से आज भी विख्यात हैं।

जम्बूद्वीप के महाराजा (अधिपति) आग्नीध्र ने नाभि, किम्पुरुष, हरिवर्ष, इलावृत, रम्यक, हिरण्मय, कुरु, भद्राश्व और केतुमाल नामक पुत्रों को जम्बूद्वीप के एक - एक खण्ड का राजा बनाया।

प्रत्येक खण्ड का विस्तार एक हजार योजन है।

सुमेरु पर्वत के चारों ओर गन्धमादन तथा माल्यवान पर्वत के बीच के स्वर्णमय भू- भाग को इलावृत वर्ष (देश) कहते हैं।

माल्यवान पर्वत से लेकर समुद्र पर्यन्त भद्राश्व वर्ष (देश) कहलाता है।

गन्धमादन पर्वत से समुद्र तक की भूमि को केतुमाल वर्ष कहते हैं।

श्रृङ्गवान पर्वत से सागर तक के भूखण्ड को कुरु वर्ष कहते हैं।

श्रृङ्गवान और श्वेत पर्वत के बीच का भाग हिरण्यमय वर्ष कहलाता है।

नील और श्वेत पर्वत के बीच में रम्यक वर्ष है।

निषध और हेमकूट पर्वत के बीच हरिवर्ष की स्थिति है।

हिमवान्‌ और हेमकूट के मध्य का भू - भाग किम्पुरुष वर्ष माना गया है।

हिमालय से लेकर समुद्र तक के भूभाग को नाभि खण्ड (भारत वर्ष) कहते हैं।

नाभि और कुरु - यह दोनों वर्ष (देश) धनुष की -सी आकृति वाले हैं।

इनमें क्रमशः हिमवान्‌ और श्रृङ्गवान पर्वत प्रत्यञ्चा के स्थान पर स्थित बताए गए हैं।

नाभि के पुत्र ऋषभ (श्रेष्ठ) हुए और ऋषभ के भरत नामक पुत्र हुए।

भरत के नाम पर इस देश को भारत वर्ष कहते हैं।

# भारत के घरेलू कामगार: क्यों है दरकिनार?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में, घरेलू कामगारों में से अधिकांश महिलाएँ हैं, जो असंगठित श्रम शक्ति का एक बड़ा हिस्सा हैं। हाल के अनुमानों के अनुसार, घरेलू कामगारों की संख्या आधिकारिक अनुमानों 4.2 मिलियन से लेकर अनौपचारिक अनुमानों 50 मिलियन से अधिक तक भिन्न है। जनवरी 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू कामगारों के व्यापक शोषण और उनके लिए कानूनी सुरक्षा की कमी की ओर ध्यान आकर्षित किया और केंद्र सरकार को उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एक अलग कानून पारित करने की संभावना की जाँच करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को घरेलू कामगारों के लिए एक अलग कानून बनाने का आदेश दिया। न्यूनतम मजदूरी अधिनियम और समान पारिश्रमिक अधिनियम, अन्य श्रम कानूनों के अलावा, घरेलू कामगारों पर लागू नहीं होते हैं। एक अलग कानून संगठित विनियमन की पेशकश कर सकता है। क्योंकि कोई आधिकारिक ढांचा नहीं है, घरेलू कामगार अक्सर बिना किसी निर्धारित वेतन के काम करते हैं और मनमाने व्यवहार के अधीन होते हैं।

नियोक्ता अपने घरों को ₹कार्यस्थल₹ या ख़ुद को ₹नियोक्ता₹ नहीं मानते हैं, जिससे घरेलू काम मुख्य रूप से अनौपचारिक और अनियमित हो जाता है। चूँकि उनके काम आधिकारिक रूप से दर्ज नहीं हैं, इसलिए श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा या न्यूनतम मज़दूरी जैसे बुनियादी अधिकार नहीं दिए जा सकते हैं। घरेलू काम में नियोजित लोगों में अब महिलाएँ सबसे ज़्यादा हैं, जिसे समाज में नारीकृत और कम आंका जाता है। लिंग के आधार पर इस असमानता को एक विशेष कानून द्वारा सम्बोधित किया जा सकता है। सामाजिक अवमूल्यन के कारण, महिलाओं को अक्सर पुरुषों की तुलना में घरेलू काम के लिए कम भुगतान किया जाता है। घरेलू काम की स्थितियाँ क्षेत्र के अनुसार अलग-अलग होती हैं। एक प्रतिबद्ध कानून क्षेत्रीय मुद्दों और समाधानों को ध्यान में रख सकता है। केरल और दिल्ली में विनियमों ने विभिन्न तरीकों से मज़दूरी दरों और रोज़गार पंजीकरण जैसे क्षेत्रीय मुद्दों को सम्बोधित करने का प्रयास किया है। श्रमिकों के अधिकारों को बनाए रखने और उल्लंघन की स्थिति में कानूनी सहारा देने के लिए स्पष्ट प्रक्रियाएँ एक अलग कानून द्वारा अनिवार्य की जा सकती हैं।

रोज़गार के दस्तावेज़ों के बिना, घरेलू कामगारों को अपना वेतन प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप शोषण हो सकता है। कम वेतन के माध्यम से भारत में घरेलू कामगारों का शोषण उनकी चुनौतियों में से एक है। घरेलू कामगारों को अक्सर जो कम वेतन मिलता है, वह उनके द्वारा किए जाने वाले श्रम की मात्रा के लिए अपर्याप्त होता है। न्यूनतम मज़दूरी विनियमन की अनुपस्थिति इस समस्या को और भी बदतर बना देती है। मुंबई के घरेलू कामगारों को लंबे कार्यदिवसों के बावजूद अपने बुनियादी जीवन-यापन के खर्चों को पूरा करने में संघर्ष करना पड़ सकता है, अगर उनका वेतन न्यूनतम वेतन से कम हो जाता है। उत्पीड़न या अनुचित व्यवहार से कानूनी सुरक्षा की कमी के कारण, घरेलू कामगार विशेष रूप से दुर्व्यवहार के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं। दिल्ली के कर्मचारी को शारीरिक या मौखिक दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन चूंकि कोई औपचारिक अनुबंध नहीं है, इसलिए उन्हें कोई कानूनी सुरक्षा नहीं है।

चूंकि घरेलू काम निजी घरों में किया जाता है, इसलिए नियम और जटिल हो जाते हैं और नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच शक्ति का अंतर बढ़ जाता है। चूंकि कर्मचारियों को अक्सर चेतावनी के बिना छोड़ दिया जाता है, इसलिए इनकी नौकरी की सुरक्षा का अभाव है, जो वित्तीय अस्थिरता को बढ़ाता है। सेवा के वर्षों के बाद, किसी कर्मचारी को अचानक बिना वेतन के निकाल दिया जा सकता है, जिससे उन्हें वित्तीय सहायता या कानूनी विकल्प नहीं मिलते। चूंकि घरेलू काम को ₹महिलाओं के काम₹ के रूप में सामाजिक रूप से कम आंका जाता है और अक्सर हाशिए के समुदायों से जोड़ा जाता है, इसलिए यह श्रमिकों को आवाज़हीन और अदृश्य बना देता है। ग्रामीण प्रवासी महिलाओं को सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें कानूनी कर्मचारी के रूप में स्वीकार किए जाने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। एक विशिष्ट कानूनी ढांचा कमजोरियों से निपटने में मदद कर सकता है। एक विशिष्ट कानून न्यूनतम मज़दूरी निर्धारित कर सकता है, यह गारंटी देते हुए कि श्रमिकों को उनके काम के घंटों और कर्तव्यों के अनुरूप उचित मुआवज़ा मिले।

एक राष्ट्रीय कानून सभी राज्यों में श्रमिकों के लिए एक समान न्यूनतम मज़दूरी स्थापित कर सकता है, यह गारंटी देते हुए कि खाना पकाने, सफ़ाई करने और देखभाल करने से जुड़े कामों का लगातार भुगतान किया जाता है। शिकायतों के समाधान की प्रक्रियाओं के साथ, एक अच्छी तरह से परिभाषित कानूनी ढाँचा कर्मचारियों को उत्पीड़न और दुर्व्यवहार से सुरक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। शोषण को रोकने और दुर्व्यवहार का विरोध करने के लिए श्रमिकों को कानूनी आधार प्रदान करने के लिए कानून रोजगार अनुबंधों को अनिवार्य बना सकता है। एक राष्ट्रीय ढाँचा स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और अन्य सामाजिक लाभ प्रदान करके श्रमिकों की वित्तीय और स्वास्थ्य सुरक्षा में सुधार कर सकता है। केरल के श्रमिकों को वर्तमान में कुछ लाभ मिलते हैं, लेकिन राष्ट्रीय कानून भारत में सभी घरेलू श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा तक निरंतर पहुँच की गारंटी दे सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि दोनों पक्ष अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जानते हैं और शोषण को रोकने के लिए, एक कानून नियोक्ताओं को अपने कर्मचारियों को पंजीकृत करने की आवश्यकता हो सकती है।

घरेलू श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले संघों ने समाप्ति को रोकने और आवश्यकता पड़ने पर कानूनी सहायता प्रदान करने के तरीके के रूप में पंजीकरण पर ज़ोर दिया है। घरेलू कामगारों की सामाजिक मान्यता को बढ़ाते हुए, घरेलू कामगारों और देखभाल को एक विशिष्ट कानूनी ढाँचे द्वारा महत्त्व दिया जा सकता है और स्वीकार किया जा सकता है। यह सुनिश्चित करने के अलावा कि घरेलू काम को सामाजिक रूप से महत्त्व दिया जाए और उचित पारिश्रमिक दिया जाए, कानून में सम्मानजनक कार्य स्थितियों की भी आवश्यकता हो सकती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना और प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना जैसे कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए, घरेलू कामगारों के लिए एक विशिष्ट कानूनी ढांचा बनाया जाना चाहिए। इससे कार्यस्थल पर बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी, न्यूनतम वेतन लागू होगा और आवश्यक सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी। शक्ति असमानताओं के समाधान, काम करने की स्थितियों में सुधार और अंततः उनकी आर्थिक स्थिरता और मानवीय गरिमा की उन्नति के माध्यम से, यह कानून घरेलू कामगारों को सशक्त बनाएगा।

# 'आप' यह सुनिश्चित करेगी कि भाजपा अपने वादे के अनुसार पहली कैबिनेट बैठक में 2500 रुपए प्रतिमाह देने की स्कीम पास कर 8 मार्च तक महिलाओं के खाते में डाले- आतिशी

सुषमा रानी

**नई दिल्ली,** आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अपने सभी विधायकों के साथ बैठक कर बदले राजनीतिक परिदृश्य को लेकर अहम चर्चा की। बैठक में सभी विधायक मौजूद रहे। बैठक की जानकारी साझा करते हुए वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि पार्टी के सभी विधायकों को एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने के साथ-साथ उन्हें अपने क्षेत्र की जनता की सेवा में जुटने का निर्देश दिया गया है। आम आदमी पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि भाजपा अपने वादे के अनुसार पहली कैबिनेट बैठक में महिलाओं को 2500 रुपए प्रतिमाह देने की स्कीम पास कर 8 मार्च तक उनके खाते में डाले। हम भाजपा की जवाबदेही भी तय करेंगे कि दिल्लीवालों को 300 यूनिट बिजली, सभी सुविधाओं के साथ अच्छे सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लिनिकों और अस्पतालों में सबका सारा इलाज मुफ्त जारी रहेगा।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के नवनिर्वाचित 22 विधायकों के साथ अहम बैठक की। जिसमें सभी विधायकों को दिशा-निर्देश दिए गए हैं कि उनके विधानसभा क्षेत्र में जनता के जो भी काम हैं, वो "आप" विधायकों को करने हैं। लोगों ने आम आदमी पार्टी के 22 विधायकों पर भरोसा जताते हुए उन्हें जीताकर भेजा है। अब हमारी जिम्मेदारी उन लोगों की सेवा और उनकी समस्याओं का समाधान करना है।

आतिशी ने कहा कि दूसरी बात विपक्ष की भूमिका निभाना हमारी जिम्मेदारी है। भाजपा जीतकर आई है और वह सरकार बना रही है। उसकी जवाबदेही तय करवाना आम आदमी पार्टी के विधायकों का काम है। भाजपा ने वादा किया था कि पहली कैबिनेट की बैठक में 2500 रुपए की स्कीम पास की जाएगी और 8 मार्च तक दिल्ली की सभी महिलाओं के खाते में 2500 रुपए आ जाएंगे। आम आदमी पार्टी इस पर भाजपा की जवाबदेही को सुनिश्चित करेगी। दिल्ली की हर महिला को यह 2500 भाजपा से 8 मार्च तक आम आदमी पार्टी दिलवाकर रहेगी।

आतिशी ने कहा कि हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि जो काम आम आदमी पार्टी ने पिछले 10 साल में किए हैं, उन्हें भाजपा रोक ना पाएं। हम भाजपा से कहना चाहेंगे कि जैसा उन्होंने वादा किया था कि सभी दिल्ली वालों को 300 यूनिट फ्री बिजली मिलेगी। सभी सुविधाएं जारी रहेंगी। सरकारी स्कूल अच्छे रहेंगे। मोहल्ला क्लीनिक में फ्री इलाज चलता रहेगा और सरकारी अस्पतालों में सारा इलाज फ्री जारी रहेगा। हम भाजपा की यह जवाबदेही तय करके रखेंगे। चाहे दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपए देना हो और चाहे आम आदमी पार्टी द्वारा किए गए कामों को जारी रखना हो।

आतिशी ने कहा कि चुनाव परिणामों को लेकर अभी विश्लेषण जारी है कि क्यों आम आदमी पार्टी की हार हुई। लेकिन दिल्ली की जनता का जनादेश है, जिसका हम सम्मान करते हैं। यह भी सच्चाई है कि जितनी गुंडागर्दी से यह चुनाव हुआ, दिल्ली के इतिहास में ऐसा चुनाव कभी नहीं हुआ होगा। जहां खुलेआम पैसा और शराब बांटी गई। पुलिस वाले खुद बंटवा रहे थे। गुंडागर्दी हो रही थी और जो इसकी शिकायत कर रहा था उसे जेल में डाल दिया गया और यह आम आदमी पार्टी नहीं कह रही है। बल्कि यह दिल्ली के लोग कह रहे हैं। यह बिल्कुल साफ है कि इस चुनाव में गुंडागर्दी की अहम भूमिका रही है। प्रशासन की भागीदारी की भूमिका रही। लेकिन हम दिल्ली की जनता का जनादेश स्वीकार करते हैं। हम एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएंगे। भाजपा ने जो भी वादे किए हैं, उन्हें आम आदमी पार्टी पूरा करवाएगी।

वहीं, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक संजीव झा ने कहा कि आज हम सब लोगों की पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल के साथ बैठक थी जिसमें आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। दिल्ली में भाजपा ने वादा किया था कि पहली कैबिनेट मीटिंग में हर महिला को महीने के 2500 दिए जाने की स्कीम को पास किया जाएगा। हमारी कोशिश यही है कि भाजपा पहली कैबिनेट में इस प्रपोजल को पास करे और अपना वादा पूरा करे। हमें भाजपा द्वारा किए गए वादों को पूरा कराना है। इन्हीं सब बातों पर बैठक में चर्चा की गई।

**अरविंद केजरीवाल ने सुबह की वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक**

इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने रविवार को सुबह सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में सांसद संजय सिंह, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) व सांसद डॉ. संदीप पाठक और दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय समेत अन्य नेता शामिल हुए। इस बैठक में सभी नेताओं ने भविष्य की रणनीति पर चर्चा की। दिल्ली में पार्टी की मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने और भाजपा को अपने सारे वादे पूरे करने का दबाव बनाने की रणनीति बनाई गई। अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के सभी नेताओं को एकजुट होकर दिल्ली की जनता की सेवा करने और उनके मुद्दे उठाने समेत अन्य रणनीति पर चर्चा की गई।

## 'यह दिल्ली की जनता का जनादेश, हम इसका सम्मान करते हैं', AAP नेताओं की बैठक के बाद बोलीं आतिशी

परिवहन विशेष न्यूज

**नई दिल्ली,** दिल्ली विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने वरिष्ठ नेताओं के साथ नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। यह बैठक केजरीवाल के आवास पर हुई। शाम चार बजे शुरू हुई इस बैठक में आप के तमाम नेता पहुंचे थे।

आप नेता आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने AAP के नवनिर्वाचित विधायकों से मुलाकात की। उन्हें लोगों की सेवा करने और उनकी समस्याओं को हल करने का निर्देश दिया। पार्टी नेता आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी रचनात्मक विपक्ष के रूप में काम करेगी। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भाजपा महिलाओं को 2,500 रुपये दे, मुफ्त बिजली दे और दिल्ली के लोगों के लिए अन्य सुविधाएं जारी रखे।

**ऐसा चुनाव दिल्ली के इतिहास में कभी नहीं हुआ: आतिशी**

आतिशी ने कहा, 'अभी विश्लेषण चल रहा है कि आम आदमी पार्टी की इस चुनाव में हार क्यों हुई? लेकिन यह दिल्ली की जनता का जनादेश है। हम जनादेश का सम्मान करते हैं। इस चुनाव में इतनी गुंडागर्दी हुई कि ऐसा चुनाव दिल्ली के इतिहास में कभी नहीं हुआ होगा। जहां खुलेआम पैसे बांटे जा रहे थे, खुलेआम शराब बांटी जा रही थी। पुलिस खुलेआम बंटवा रही थी और जो इसकी शिकायत कर रहा थे, उसे जेल में डाला जा रहा था, लेकिन हम दिल्ली की जनता के जनादेश को स्वीकार करते हैं और रचनात्मक भूमिका निभाएंगे।'

**भविष्य की रणनीति पर हुई चर्चा: संजीव झा**

आप नेता संजीव झा ने पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के साथ उनके आवास पर बैठक के बाद कहा, 'हमारे सभी नेताओं ने आज पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की और भविष्य के लिए हमारी रणनीति पर चर्चा की। भाजपा ने प्रत्येक महिला को 2,500 रुपये देने का वादा किया है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इस फैसले को उनकी पहली कैबिनेट बैठक में मंजूरी मिल जाए।'

**हम जनता के जनादेश को स्वीकार करते हैं: कक्कड़**

आप की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दिल्ली की जनता ने हमें 10 साल काम करने का मौका दिया और हमने जनता के लिए काम किया। हम जनता के जनादेश को पूरी विनम्रता से स्वीकार करते हैं और उम्मीद करते हैं कि भाजपा जनता के लिए काम करेगी। अब हम एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभायेंगे। इन चुनावों में हमारी क्या कमी रही, उस पर गहनता से विचार करेंगे।

# राज्य के किसानों को सशक्त बनाने के लिए बिहार स्थित स्टार्ट-अप एग्रीफीडर में सह-संस्थापक बनीं एक्ट्रेस नीतू चंद्रा

सुषमा रानी

अपने राज्य के किसानों को सशक्त बनाने के लिए एवं बिहार के गांव में रोजगार पैदा करने के लिए बिहार की बेटी और हॉलीवुड और बॉलीवुड की प्रख्यात एक्ट्रेस व राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता नीतू चंद्रा ने , _पीरपैंती_ , भागलपुर स्थित स्टार्टअप 'एग्रीफीडर' एग्रीकल्चरल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में सह-संस्थापक के रूप में निवेश किया है।

'एग्रीफीडर' के संस्थापक रमन कुमार, रौनक कुमार और प्रिया पांडे का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों के जीवन स्तर में सुधार करना है। कंपनी वर्तमान में पांच हजार से ज्यादा सीमांत किसानों के नेटवर्क के साथ काम कर रही है, जिसमें हजार से अधिक महिला किसान भी शामिल हैं और उन्हें स्वदेशी खाद्य श्रेणियों, पैकेजिंग और आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से सशक्त बना रही है। इस संबंध में रमन कुमार का कहना है कि हम बोर्ड में हॉलीवुड और बॉलीवुड अभिनेत्री नीतू चंद्रा के साथ जुड़ने से बहुत उत्साहित हैं। उनकी भागीदारी ब्रांड की तेजी से वृद्धि में योगदान देगी। 'एग्रीफीडर' किसानों के लिए एक अनोखा प्लेटफ़ॉर्म है, जो उन्हें अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने में मदद करता है।

उल्लेखनीय है कि मूल रूप से बिहार की राजधानी पटना से ताल्लुक रखने वाली नीतू चंद्रा अपनी जड़ों से जुड़ी हुई हैं। बिहार के ग्रामीण समुदायों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों की उनकी समझ, विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में, उन्हें एग्रीफीडर को आगे बढ़ाने के लिए एक शक्तिशाली आवाज बनाती है। इतना ही नहीं, वह किसानों को सशक्त बनाने वाली पहलों का समर्थन करने और अपने गृह राज्य के समग्र विकास में योगदान देने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध भी हैं। नीतू चंद्रा एक खेल उत्साही और शास्त्रीय नर्तकी हैं, जिन्होंने ताइक्वांडो में भारत और बिहार, दोनों के लिए कई बार प्रतिस्पर्धा जीती हैं। इतना ही नहीं, नीतू एक राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त फिल्म निर्माता भी हैं जिन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी, चंपारण टॉकीज के माध्यम से राज्य में रोजगार पैदा किए हैं। उनका बिहार से व्यक्तिगत संबंध, उनकी वैश्विक मान्यता के साथ मिलकर, उन्हें अग्रीफीडर के लिए एक आदर्श सह-संस्थापक और चेहरा बनाता है जो किसानों को सशक्त बनाने और अपनी पहुंच बढ़ाने के उनके मिशन में _उपयोगी हो सकता_ है।

रमन कुमार कहते हैं, इस सहयोग का उद्देश्य 'एग्रीफीडर' के ब्रांड की वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाना और बिहार के कृषि समुदाय को सशक्त बनाने की इसकी प्रतिबद्धता को बढ़ावा देना है। अपने ओमनी-चैनल व्यापार मॉडल के माध्यम से 'एग्रीफीडर' महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स समर्थन और बाजार पहुंच प्रदान करता है, गुणवत्ता नियंत्रण और ब्रांडिंग सुनिश्चित करता है, जो किसानों को अपने उत्पादों और मूल्य वर्धित उत्पादों को सीधे ग्राहकों को बेचने में मदद करता है, जिससे प्रतिमाह एक हजार रुपये तक की आय में सुधार होता है। ब्रांड एक बिक्री रणनीति विकसित कर रहा है, जो चावल, सत्तू, गुड़, जर्दालू आम जैसे बिहार के मूल उत्पादों के लिए मांग उत्पन्न करेगी। अगले तीन वर्ष में कंपनी विश्व स्तर पर एक मिलियन या अधिक ग्राहकों को प्राप्त करने की उम्मीद करता है।

वहीं, सह-संस्थापक के रूप में शामिल होने पर अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए नीतू चंद्रा कहती हैं, 'मैं बिहार में किसानों, विशेष रूप से महिलाओं, द्वारा बाजारों तक पहुँचने और उनके कठिन परिश्रम के लिए उचित मुआवजा प्राप्त करने में सामना की जाने वाली चुनौतियों को पहचानती हूं। 'एग्रीफीडर' व्यापार मॉडल किसानों को बिचौलियों को दरकिनार करने, मान्यता प्राप्त ब्रांडिंग के साथ मूल्य वर्धित उत्पाद बेचने और अधिक स्थायी आय अर्जित करने की अनुमति देता है।' नीतू चंद्रा कहती हैं, ''एग्रीफीडर' नेटवर्क का हिस्सा होने वाली _एक_ हजार से अधिक महिला किसानों का तथ्य और इन आय सुधारों का अनुभव इस पहल की लैंगिक समानता और कृषि में महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।'

बताते चलें कि कृषि परिवार से आने वाले भाइयों रौनक कुमार और रमन कुमार को कम उम्र में ही कृषि क्षेत्र की चुनौतियों का एहसास हो गया था। आईएसबीआर बिजनेस स्कूल से एमबीए करने वाले रमन को अपने कॉलेज में एक सेमिनार के दौरान उद्यमिता से परिचित कराया गया था। रमन ने रौनक के साथ इस विचार पर चर्चा की, जिन्होंने अन्ना विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की थी, और कृषि-तकनीक क्षेत्र में अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया। वर्ष 2017 में रमन ने पत्नी प्रिया पांडे और बड़े भाई रौनक के साथ मिलकर बिहार के पीरपैंती में 'एग्रीफीडर' की शुरुआत की।

**क्या है 'एग्रीफीडर'**

वर्ष 2017 में स्थापित 'एग्रीफीडर' एग्रीकल्चरल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पीरपैंती, बिहार आधारित पहल है जो बिहार के पचास हजार से ज्यादा किसानों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, एक ऐसा राज्य, जहां 70 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या कृषि कार्यों में संलग्न है, 'एग्रीफीडर' किसानों को नई तकनीकों के बारे में प्रशिक्षण देकर, अच्छी गुणवत्ता के बीज और उर्वरक प्रदान करके, पूर्व-फसल विपणन और पश्चात-फसल प्रबंधन में सशक्त बना रहा है। वर्तमान में इसके उत्पादों की श्रृंखला में लेमनग्रास चाय, सत्तू, शहद, गुड़, कतरनी चावल शामिल हैं।

## विश्व जैन संगठन की लक्ष्मी नगर शकरपुर, दिल्ली शाखा का गठन

**सुषमा रानी, नई दिल्ली।** लक्ष्मी नगर जैन मंदिर जी में आयोजित एक विशेष सभा में लक्ष्मी नगर शकरपुर जैन समाज की विश्व जैन संगठन में सहभागिता के लिए कार्यकारिणी के गठन हेतु संगठन की मुख्य कार्यकारिणी के सम्मानित सदस्य अनुज जैन और निपुण जैन की उपस्थिति में एक आवश्यक सभा का आयोजन हुआ।

संगठन की मुख्य कार्यकारिणी के सम्मानित सदस्य अनुज जैन ने बताया कि सभा में सर्वसहमति से अतुल जैन को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष प्रिंस जैन, महामंत्री सौरभ जैन, उपमंत्री शुभम जैन, कोषाध्यक्ष अमित जैन एडवोकेट, सह कोषाध्यक्ष गोल्डन जैन और कार्यकारिणी में अभिषेक जैन, अनंत जैन, प्रदीप जैन, रोहित जैन, रवि जौली जैन, गौरव जैन को सदस्य नियुक्त गया।

विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन और समस्त कार्यकारिणी ने लक्ष्मी नगर शकरपुर की नवगठित शाखा के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को शुभकामना प्रेषित करते हुए संगठन की गतिविधियों को समाज तक पहुंचाकर सभी को जोड़ने की भावना व्यक्त की।

# एआईसीसी ने एमएसएमई को सशक्त बनाने और वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारत आपूर्तिकर्ता विविधता कार्यक्रम शुरू किया

सुषमा रानी

एशियाई भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स (एआईसीसी) ने आज प्रतिष्ठित नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं और वैश्विक व्यापार प्रतिनिधियों की मौजूदगी में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में भारत आपूर्तिकर्ता विविधता कार्यक्रम (आईएसडीपी) शुरू किया। यह पहल सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई)- विशेष रूप से महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों और वंचित समुदायों के उद्यमों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत करके समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

लॉन्च कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कौशल विकास राज्य मंत्री जयंत चौधरी, राजकुमार सांगवान (सांसद, कौशल विकास) और मिथिलेश कुमार (सांसद, उत्तर प्रदेश) मौजूद थे, जिन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को आकार देने में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका और वैश्विक व्यापार नेटवर्क में योगदान देने की उनकी क्षमता पर जोर दिया।

भारत आपूर्तिकर्ता विविधता कार्यक्रम (आईएसडीपी) का उद्देश्य ₹लापता मध्य₹ को संबोधित करना है - छोटे और मध्यम उद्यमों का एक खंड जो मापनीयता, प्रमाणन और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच के साथ संघर्ष करता है। आईएसडीपी के माध्यम से, भारतीय एमएसएमई वैश्विक अनुपालन मानकों को पूरा करने और बड़ी बहुराष्ट्रीय निगमों के बीच दृश्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपकरणों और प्रमाणन से लैस होंगे। इस पहल को अग्रणी वैश्विक निगमों द्वारा समर्थित किया गया है, जिसमें सनोफी, जॉनसन एंड जॉनसन, माइक्रोन, रीजेनरॉन, सिटीबैंक, रेडियन और अन्य शामिल हैं, जिनमें से सभी एक विविध और समावेशी आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता को पहचानते हैं। कार्यक्रम का नेतृत्व एआईसीसी के अध्यक्ष कोमल डांगी और आईएसडीपी के अध्यक्ष राजीव कृष्ण कर रहे हैं, दोनों छोटे व्यवसायों के लिए अवसरों का विस्तार करने और अधिक समावेशी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सनोफी में आपूर्तिकर्ता विविधता और खरीद जोखिम की वैश्विक प्रमुख राखी अग्रवाल ने भी इस पहल को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईएसडीपी की मुख्य विशेषताएं प्रमाणित आपूर्तिकर्ता डेटाबेस - कॉर्पोरेट खरीद टीमों के लिए उनकी पहुँच बढ़ाने के लिए एमएसएमई को एक वैश्विक डेटाबेस में एकीकृत किया जाएगा। मेंटरशिप और तकनीकी सहायता - व्यवसायों को परिचालन दक्षता में सुधार करने और अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में मदद करने के लिए संरचित कार्यक्रम।

B2B मैचमेकिंग और व्यापार प्रतिनिधिमंडल - भारतीय एमएसएमई, बहुराष्ट्रीय निगमों, सरकारी खरीद एजेंसियों और वैश्विक व्यापार संगठनों के बीच प्रत्यक्ष जुड़ाव के अवसर।

अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना - वैश्विक आपूर्तिकर्ता विविधता ढांचे जैसे कि बिलियन डॉलर राउंडटेबल (BDR) के साथ संरेखित करना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय आपूर्तिकर्ता वैश्विक खरीद बेंचमार्क को पूरा करें।

आईएसडीपी के अध्यक्ष राजीव कृष्णः 'एक मजबूत आपूर्तिकर्ता विविधता कार्यक्रम न केवल छोटे व्यवसायों को बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाता है। आईएसडीपी अधिक समावेश और नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

एआईसीसी की अध्यक्ष कोमल डांगीः 'आपूर्तिकर्ता विविधता विकास के लिए नए रास्ते बनाती है। आईएसडीपी भारतीय छोटे व्यवसायों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं तक पहुंच प्राप्त करने और उनके प्रभाव को बढ़ाने में मदद करेगा।'

सैनोफी में आपूर्तिकर्ता विविधता और खरीद जोखिम की वैश्विक प्रमुख, उपाध्यक्ष राखी अग्रवालः 'यह पहल विविध व्यवसायों के लिए अवसरों को अनलॉक करने और यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि उन्हें वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने का उचित मौका मिले।'

लॉन्च कार्यक्रम में सरकारी अधिकारियों, कॉर्पोरेट नेताओं, उद्योग संघों, वित्तीय संस्थानों और चैंबर प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो भारत के एसएमई क्षेत्र को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता में एकजुट थे। एमएसएमई और वैश्विक निगमों के बीच की खाई को पाटकर, आईएसडीपी नए आर्थिक अवसर पैदा करने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। चूंकि भारत खुद को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है, इसलिए आईएसडीपी जैसी पहल एक लचीली, समावेशी और नवाचार-संचालित आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आईएसडीपी अब आपूर्तिकर्ता पंजीकरण और कॉर्पोरेट भागीदारी के लिए खुला है।

## केजरीवाल ने इन 10 विधानसभा सीटों पर की 12 जनसभाएं, एक पर भी नहीं मिली जीत

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में अरविंद केजरीवाल की यमुनापार में की गईं 12 जनसभाओं का कोई खास असर नहीं दिखा। आप को एक भी सीट पर जीत हासिल नहीं हुई। पिछले चुनाव के मुकाबले 8 सीटों पर पार्टी का वोट शेयर भी कम हुआ है। सबसे ज्यादा 16 .16 प्रतिशत की गिरावट पटपड़गंज सीट पर देखने को मिली। लोग उनकी बातों पर भरोसा नहीं कर पाए।

**नई दिल्ली।** यमुनापार में आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल को लोगों ने दिल में जगह नहीं दी। वह जिन 10 सीटों पर जनसभा करने आए, सभी पर आप के अरमानों पर झाड़ू फिर गई। एक भी सीट आप के खाते में नहीं आई।

पिछले चुनाव की तुलना में इन सीटों में से दो को छोड़ कर बाकी आठ पर आप का वोट शेयर भी गिरा। सबसे ज्यादा 16.16 प्रतिशत वोट शेयर की गिरावट पटपड़गंज सीट पर रही। इनमें से चार सीटें ऐसी भी थीं जहां पहले आप के विधायक थे, अब भी हाथ से निकल गईं।

**10 विधानसभा क्षेत्रों में 12 जनसभाएं की**

अरविंद केजरीवाल यमुनापार में उत्साह के साथ 10 विधानसभा क्षेत्रों में 12 जनसभाएं कीं। घोंडा, करावल नगर, गांधी नगर, कृष्णा नगर, पटपड़गंज, त्रिलोकपुरी और शाहदरा विधानसभा क्षेत्र में वह एक बार गए। लोगों से झाड़ू का बटन दबाने की अपील की। तमाम वादे किए और अपने काम गिनाए। लेकिन इन सीटों पर उनकी बातों को लोगों ने तवज्जो नहीं दी। कृष्णा नगर, पटपड़गंज, त्रिलोकपुरी और शाहदरा की अपनी जनाधार वाली सीट गंवाने के साथ गांधी नगर और घोंडा में भी आप को हार का सामना करना पड़ा।

**विश्वास नगर में जनाधार भी खोया**

लक्ष्मी नगर और विश्वास नगर सीट पर केजरीवाल ने ज्यादा जोर लगाया। वह यहां दो बार जनसभाएं करने के लिए आए। आप के सहारे 25 हजार रुपये से अधिक की आर्थिक बचत के सपने लोगों को दिखाए। सीवर लाइन की समस्या को दुरुस्त करने का वादा किया। विश्वास नगर में तो भाजपा के स्थानीय विधायकों पर सीधे आरोप लगाए। लेकिन आप के लिए नतीजा सिफर रहा। उल्टा जो जनाधार यहां पहले था, वह भी खिसक गया। राजनीतिक जानकारों की मानें तो वोट शेयर में गिरावट बताती है कि केजरीवाल की बातों पर लोग भरोसा नहीं कर पाए।

# 'मुफ्त की रेवड़ियों' वाले वादों को पूरा करने में बीजेपी के छूट जाएंगे पसीने, दिल्ली में इकॉनमी का निकल न जाए कचूमर

परिवहन विशेष न्यूज

**बीजेपी के दिल्ली चुनावी वादे मुफ्त में सुविधाएं देने के हैं जो बजट पर भारी पड़ सकते हैं। नई सरकार को महिलाओं और पेंशन धारकों के लिए काफी खर्च करना होगा। इन योजनाओं के लिए पैसे जुटाने के लिए सरकार को नए विकल्प खोजने होंगे।**

**गुरुग्राम।** मुफ्त के वादे करना आसान है लेकिन उन्हें पूरा करना महंगा पड़ता है। दिल्ली चुनाव में जीत के बाद अब बीजेपी के लिए मुफ्त की रेवड़ी को चालू रखने के लिए गणित पर ध्यान देना एक कठिन काम है। कर्नाटक, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सरकारों ने इसे समझ लिया है। नई दिल्ली सरकार भी इसे समझने वाली है। आप से दिल्ली को छीनने के अपने अभियान में, बीजेपी ने केजरीवाल को उनके पसंदीदा सामाजिक कल्याण के मुद्दे पर मात देने के लिए मतदाताओं से कई महत्वाकांक्षी वादे किए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि मुफ्त के वादों को पूरा करना चुनौतीपूर्ण होने वाला है। इससे बजट पर बोझ पड़ेगा।

बीजेपी के मुख्य वादे दिल्ली सरकार के बही-खाते पर बोझ बढ़ाएंगे। इन वादों में महिलाओं को 2,500 रुपये की मासिक गारंटी और बुजुर्गों के लिए 2,500 रुपये की मासिक पेंशन (70 से अधिक उम्र वालों के लिए 3,000 रुपये तक की बढ़ोतरी) शामिल है। इसके अलावा गर्भवती माताओं के लिए 21,000 रुपये और केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा का भी वादा भी शामिल है।

**कहां से आएगा वादों के लिए पैसा**

इन वादों के लिए वित्त जुटाने के लिए नई सरकार के सामने जो काम है, उसकी विशालता का अंदाजा राज्य के नवीनतम राजस्व और व्यय अनुमानों से लगाया जा सकता है। दिल्ली सरकार ने 2024-25 में कुल कर राजस्व संग्रह 58,750 करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया है, जबकि पिछले साल यह 53,680 करोड़ रुपये था।

**कहां-कितना खर्च हो रहा बजट**

वित्तीय वर्ष का बजट 76,000 करोड़ रुपये है। इसमें सबसे अधिक 16,396 करोड़ रुपये (22 फीसदी) व्यय शिक्षा के लिए निर्धारित किया गया है। ये आप सरकार का मुख्य केंद्र बिंदु था। इसके बाद आवास और शहरी विकास के लिए 9,800 करोड़ रुपये (13%), स्वास्थ्य सेवा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए 8,685 करोड़ रुपये (11%), परिवहन बुनियादी ढांचे के लिए 7,470 करोड़ रुपये (10%), जलापूर्ति और स्वच्छता के लिए 7,195 करोड़ रुपये (9%), और सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के लिए 6,694 करोड़ रुपये (9%) प्रमुख मद हैं। दो तिहाई से अधिक राजस्व वेतन और स्थापना लागतों पर खर्च होने के साथ, वित्त विभाग ने पिछले साल पहली बार घाटे में जाने की चिंता व्यक्त की थी।

**महिलाओं के लिए 11 हजार करोड़ रुपये**

एक गंभीर कारक 2024-25 वित्तीय वर्ष के समापन तक करों, गैर-कर स्रोतों और केंद्रीय प्राप्तियों से राजस्व में 64,142 करोड़ रुपये से 62,415 करोड़ रुपये तक की अनुमानित गिरावट थी। अब, वंचित महिलाओं के लिए 2,500 रुपये की मासिक गारंटी के लिए, जिसके लिए आय मानदंड अभी तय किया जाना है, खजाने पर भारी बोझ पड़ने की उम्मीद है। जबकि नई सरकार कैलकुलेटर पर काम कर रही है। इसका अंदाजा आप द्वारा पहले प्रस्तावित एक समान योजना से लगाया जा सकता है। इसके लिए लगभग 38 लाख महिलाएं योग्य थीं। इसकी वार्षिक लागत 11,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

**पेंशन के लिए 4100 करोड़ रुपये की जरूरत**

पेंशन के वादे पर बात करें तो चुनाव आयोग के आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली में 60 साल से ऊपर की उम्र के 24,44,476 निवासी हैं। इनमें से 13,78,797 लोग 2,500 रुपये (60-69) की आय वाले वर्ग में आते हैं। पेंशन योजना के इस हिस्से के लिए सालाना 4,100 करोड़ रुपये के आवंटन की आवश्यकता होगी। बीजेपी की तरफ से किए गए अन्य वादे - जैसे यमुना की सफाई, जो इस चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया, और तीन साल में दिल्ली के लैंडफिल - के लिए भी पर्याप्त आवंटन की आवश्यकता होगी। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने यमुना पर लगभग 8,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

**नई सरकार कहां करेगी कटौती?**

सूत्रों ने बताया कि नई और चल रही कल्याणकारी योजनाओं के खर्चों को पूरा करने के लिए नई दिल्ली सरकार को सालाना 25,000 करोड़ रुपये से अधिक की जरूरत होगी। इसमें AAP सरकार की मुफ़्त पानी और बिजली योजनाओं को जारी रखने के लिए 11,000 करोड़ रुपये शामिल हैं)। यह पूछे जाने पर कि क्या केंद्र शासित प्रदेश होने के नाते दिल्ली को केंद्र से कोई विशेष पैकेज मिल सकता है, एक सूत्र ने कहा कि यह देखते हुए कि AAP सरकार 18,000 करोड़ रुपये की वित्तीय देनदारी के तहत चल रही थी, नई सरकार को अपने राजस्व वितरण में सख्त होना होगा। साथ ही सभी नई कल्याणकारी योजनाओं को निधि देने के लिए पूंजीगत व्यय या अन्य क्षेत्रों से धन निकालना होगा। दूसरा विकल्प केंद्र की मदद लेना हो सकता है।

**नए बजट के लिए एक महीने का समय**

मार्च में पेश होने वाले नए वित्त वर्ष के बजट के साथ नई सरकार को अपनी वादा की गई योजनाओं के लिए धन प्राप्त करने के लिए गणित पर काम करने के लिए एक महीने का समय मिलेगा। अन्य क्षेत्र जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता होगी, वे हैं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र। इनमें सात नए अस्पतालों और पहले से स्वीकृत 17 अन्य के अपग्रेड के विस्तार के लिए 10,200 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। इसके अलावा इन सुविधाओं को संचालित करने के लिए 8,000 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट भी चाहिए। दिल्ली मेट्रो परियोजनाओं के लिए तीसरे चरण को पूरा करने और चौथे चरण के विस्तार के लिए 2,700 करोड़ रुपये की आवश्यकता है।

इसके अलावा वायु प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए धन की आवश्यकता है। प्रदूषण दिल्ली के लिए एक चिरस्थायी लड़ाई है। दिल्ली में सड़कों की मरम्मत भी जरूरत होगी। यह हाल के वर्षों में दिल्लीवासियों के लिए एक दुखदायी मुद्दा है। इससे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता में स्पष्ट रूप से गिरावट आई है। दिल्ली सरकार का सड़क बुनियादी ढांचे का वित्तपोषण 2023-24 में 3,126 करोड़ रुपये से घटकर 2024-25 में 1,768 करोड़ रुपये हो गया। इसमें कोई अतिरिक्त अंडरपास या फ्लाईओवर प्रस्तावित नहीं है।

# पहले की तरह लगेंगे साप्ताहिक बाजार, गाजियाबाद के व्यापारियों को बड़ी राहत; पुलिस नहीं ले सकेगी सीधा एक्शन

परिवहन विशेष न्यूज

**उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने साप्ताहिक बाजार पहले की तरह लगाने का निर्देश दिया है। इसी को लेकर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने सांसद अतुल गर्ग और महापौर सुनीता दयाल की उपस्थिति में जिला पुलिस-प्रशासनिक एवं नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक की। राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि नगर निगम जल्द से जल्द साप्ताहिक बाजार के लिए वेंडिंग जोन तलाश करे।**

**गाजियाबाद।** साप्ताहिक बाजार को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा है बाजार पहले की तरह ही लगते रहेंगे। नगर निगम के वैकल्पिक व्यवस्था न करने तक बाजार लगेंगे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने साफ निर्देश दिए कि पुलिस इस मामले में सीधा एक्शन ले, यह उनका अधिकार नहीं है।

मुख्य सचिव ने कहा कि सुबह ही मंडलायुक्त व अन्य अधिकारियों ने बताया कि वेंडर्स को उनकी जगह से हटाया गया है। मैंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जो वेंडर जहां काम कर रहा था, वहां काम करता रहेगा। नगर निगम जब वैकल्पिक व्यवस्था कर लेगा, जो टाउन वेल्डिंग के द्वारा किया जाएगा। ये भी वेंडर्स की सहमति से होगा।

इसके बाद ही वेंडर नई जगह पर जाएंगे। वेंडर अपना काम पहले की तरह करते रहें, यह व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधिकारी भी कोई भी एक्शन लेने से पहले मंडल आयुक्त और नगर आयुक्त से बात करेंगे। इसके बाद टाउन वेल्डिंग की कमेटी जो तय करेगी और आगे की स्थिति बनने तक साप्ताहिक बाजार जैसे लग रहा था, वैसे ही लगता रहेगा।

**100 मीटर से तीन किलोमीटर तक बढ़ा दायरा**

विजय नगर के मुख्य मार्ग पर 100 मीटर में साप्ताहिक बाजार लगना शुरू हुआ था। अब इसका दायर तीन किलोमीटर बढ़ गया था। हर सप्ताह दुकानों में इजाफा होता रहा। इसी तरह संजय नगर, नंदग्राम, शालीमार गार्डन, इंदिरापुरम, वसुंधरा, वैशाली आदि स्थानों पर लगने वाले बाजार भी 10 से 20 दुकानों से शुरू हुए थे, जो बाद में कई किलोमीटर के दायरे में फैल गए। इनमें दिल्ली से आने वाले व्यापारियों की खासी संख्या है।

**क्या बोले स्थानी लोग?**

स्थानीय लोगों का कहना है कि विजय नगर में 26 वर्ष पहले 100 मीटर में कुछ लोगों ने शुरुआत में सड़क के किनारे बाजार लगाया गया था। जब दुकानें बढ़नी शुरू हो गई तो जगह कम पड़ने लगी।

व्यापारियों ने सड़क पर दुकान लगानी शुरू कर दीं। बाद एक सड़क को पूरी तरह बंद कर दिया। नंदग्राम में 20 वर्ष पहले 10 लोगों ने दुकान लगाई थीं। इनकी संख्या बढ़कर एक हजार से अधिक हो गई थीं।

संजय नगर में 23 वर्ष पहले मुख्य मार्ग पर 20 से 25 दुकानदार द्वारा बाजार लगना शुरू किया था। बाद में यहां दो किलोमीटर के दायरे में बाजार फैल गया। लोगों ने संकरी गलियों तक में दुकानें लगा दीं। अब सड़क से दुकान हटाने का कुछ लोग विरोध कर रहे हैं तो कुछ इसके पक्ष में है।

**ठेकेदारों में रहता है वर्चस्व का तनाव**

साप्ताहिक बाजार के एक व्यापारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि का कई ठेकेदारों ने व्यापारियों को बाजार में तखत, पानी, लाइट की सुविधा उपलब्ध कराने की एवज में लाखों रुपये कमाने का कारोबार फैला रखा है।

साप्ताहिक बाजार इस कारोबार में अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए ठेकेदार एक दूसरे लड़ते रहते हैं। दुकानदारों का दावा है कि उनसे दुकान लगाने के बदले में पैसे भी लिए जाते हैं।हालांकि पैसे लेने का उनके पास कोई सबूत नहीं मिला।

**साप्ताहिक बाजार से फायदा**

लोगों को रोजगार मिल रहा है, घर के नजदीक सामान मिल जाता है, स्थायी दुकानों की अपेक्षा सस्ता सामान मिलता है, एक ही स्थान सब्जी, फल, कपड़े आदि रोजमर्रा का सामान मिल जाता है।

**साप्ताहिक बाजार से नुकसान**

जाम लगता है, एंबुलेंस फंस जाती है, स्कूल

# फर्जी ई-वे बिल काटकर करोड़ों का चूना लगाने वाली 12 कंपनियां सीजीएसटी की रडार पर

परिवहन विशेष न्यूज

**सीजीएसटी एक्ट के तहत नोटिस जारी, कंपनियों ने मांगा समय**

**गुरुग्राम।** फर्जी ई-वे बिल काटकर करोड़ों का चूना लगाने वाली 12 कंपनियां सीजीएसटी की रडार पर हैं। इन कंपनियों ने बीते ढाई साल में करोड़ों का फर्जी बिल खरीद-फरोख्त करके सीजीएसटी को चूना लगाया है।

मामले की जांच कर रही इंवेस्टिगेशन टीम की ओर से नोटिस जारी कर उनसे सवाल जवाब किया जा रहा है। सीजीएसटी का फ्रॉड करने वाली कंपनी को उनकी ओर से की गई ठगी और उसके जुर्माने के साथ नोटिस दिया जाएगा। अभी टीम की ओर से मास्टर माइंड की कंपनी से लेनदेन करने वालों को बुलाया गया है। इसमें बहुत सी कंपनी की ओर से नोटिस के जवाब में समय मांगा गया है तो कुछ कंपनियां एक्ट के हिसाब से जुर्माना देने को तैयार हैं।

सीजीएसटी की ओर से जिस मास्टर माइंड को गिरफ्तार किया गया है, वह मूलरूप से दिल्ली का रहने वाला है। ढाई साल पहले गुरुग्राम में बसा है। उसकी ओर से खोली गई कंपनी से फर्जी बिल की खरीद-फरोख्त करने वालों को पहचाना जा चुका है। सीजीएसटी के अधिकारी के अनुसार मास्टर माइंड व अन्य कंपनियों के नाम उजागर नहीं किए जा रहे हैं। भविष्य में उनके अंडर ग्राउंड होने की संभावना अधिक रहती है। ऐसे में जांच प्रभावित न हो इसका खास ख्याल किया जा रहा है। सीजीएसटी की अब तक की छानबीन में पता चला है कि यह कंपनियां कागज में हैं। मौके पर इनकी ओर से बिल कंप्यूटर पर काटे जा रहे हैं। जिस स्थान के नाम पर कंपनी रजिस्टर्ड हुई है, वहां पर कुछ नहीं है। विभाग की ओर से सिस्टम की खामी जानने का प्रयास किया जा रहा है। जिसमें इन तक पहुंचने में देरी हुई है।

फर्जी ई-वे बिल के मामले में मास्टर माइंड को गिरफ्तार किया जा चुका है। इससे जुड़ी 12 कंपनियों को नोटिस जारी किया गया है। जिनके जवाब का इंतजार है। एक्ट के हिसाब से उन पर भी कार्रवाई की जा रही है। - कल्याण सिंह, सहायक आयुक्त, सीजीएसटी, गुरुग्राम।

# भारत सहित दुनियाँ के मतदाताओं की ताकत का दम- भारत की राजधानी दिल्ली सहित प्रमुख देशों की सत्ता बदल दी

**भारत की राजधानी दिल्ली सहित अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन ईरान,दक्षिण अफ्रीका के चुनावों में मतदाताओं ने दिखाया अपना रुतबा मतदाता राजनीतिज्ञों के भाग्य विधाता हैं-हर मतदाता को अपने वोट का इस्तेमाल हाई अलर्टपर रहकर पूर्ण विश्वास के साथ करना ज़रूरी**

– एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया- वैश्विक स्तरपर आज मतदाताओं का रुतबा पूरी दुनियां में तेजी से बढ़ रहा है, क्योंकि बढ़ते लोकतंत्र की ट्रेंड में मतदाताओं की ताकत इतनी विस्तृत हो गई है कि वह किसी भी नेता, राजनेता, राजनीतिज्ञ को सर पर बिठा सकते हैं तो, जमींदररोज भी कर सकते हैं, राजा से रंग बना सकती हैं, आज इस विषय पर हम इसलिए बात कर रहे हैं, क्योंकि अभी हमने देखे भारत की राजधानी दिल्ली में 5 फरवरी को चुनाव हुए चुनावी महापर्व में 8 फरवरी 2025 को आए परिणामों में देखे कि अबकी बार 27 साल बाद भाजपा को मतदाताओं ने सत्ता का ताज़ पहनाया तो 11 साल से सत्ता का ताज पहना आप पार्टी से छीन लिया, न केवल नकार दिया बल्कि उस पार्टी शीर्ष नेतृत्व नेताओं को भी हार का सामना करना पड़ा हालांकि कुछ महीनो सालों पूर्व ऐसा ही कुछ नज़ारा अभी दुनियां के अन्य विकसित बड़े-बड़े देशों में भी देखना पड़ा था जिसमें अभी- अभी हमने ट्रंप द्वारा 20 जनवरी 2025 को शपथ ग्रहण के रूप में देखें इसके पूर्व में ईरान के राष्ट्रपति चुनाव में 50 प्रतिशत बहुमत किसी पार्टी को ना आने से अगले दौर का चुनाव 5 जुलाई 2024 को निश्चित किया गया था । वहीं फ्रांस में राष्ट्रपति मैक्रो की पार्टी भी पिछड़कर तीसरे नंबर पर आ गई थी, जिसमें दूसरे दौर का चुनाव 7 जुलाई 2024 को हुआ था। इसी तरह दक्षिण अफ्रीका में भी नेल्सन मंडेला की पार्टी 30 वर्षों में पहली बार अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस को संसदीय चुनाव में बहुमत नहीं मिला है। सिर्फ 40 प्रतिशत वोट मिले हैं, इसलिए 1 जुलाई 2024 को नेता रामाफोसा ने दोबारा चुने जाने के लिए गठबंधन का सहारा लिया था। उधर ब्रिटेन में भी भारतीय मूल के पीएम ऋषि सुनक को भी मतदाताओं ने हार का मुंह दिखा दिया था, तो दुनियां के सबसे पुराने लोकतंत्रअमेरिका में भी 5 नवंबर 2024 को पूर्व राष्ट्रपति ट्रंपने बहुमत हासिल किया व 20जनवरी 2025 को शपथ ग्रहण किया और अब 8 जनवरी 2025 को आए रिजल्ट में भाजपा को 48 सीटों के रूप में बहुमत मिला, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दुनियां के मतदाताओं की ताकत का दम, दिल्ली सहित प्रमुख देश की सत्ता बदल दी ।मतदाता राजनीतिज्ञों के भाग्य विधाता हैं, हर मतदाता को अपने वोट का इस्तेमाल हाई अलर्ट में रहकर पूर्ण विश्वास से करना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम 8 फरवरी 2025 को आए दिल्ली विधानसभा के चुनाव परिणाम की करें तो, राजधानी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह आठ बजेसे मतगणना शुरू हुई। चुनावी मैदान में 70 सीटों के लिए 699 उम्मीदवार थे। चुनाव परिणाम में भाजपा ने 48 सीटें हासिल हैं। आम आदमी पार्टी 22 सीटों पर जीती, जबकि कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला। पांच फरवरी को करीब 13 हजार से अधिक बूथों पर कुल 60.54 फीसदी मतदान हुआ था ।बता दें कि लगातार तीन बार इस सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को 2013 विधानसभा चुनाव में शिकस्त देकर अरविंद केजरीवाल दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुए थे। उन्होंने लगातार तीन बार इस विधानसभा का प्रतिनिधित्व किया ।आम आदमी पार्टी को यहां बड़ा झटका लगा है। नई दिल्ली सीट से पूर्व सीएम और आप प्रत्याशी अरविंद केजरीवाल हार गए हैं। भाजपा के प्रत्याशी प्रवेश वर्मा जीत गए हैं। कांग्रेस ने इस सीट से संदीप दीक्षित को चुनावी मैदान में उतारा था। प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को 4089 से हराया है ।कालकाजी सीट से आप प्रत्याशी आतिशी चुनाव जीत गई हैं। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी को 3521 वोटों से हराया है। बता दें कि कालकाजी सीट सबसे चर्चित सीटों में शामिल है। इस बार आम आदमी पार्टी ने कालकाजी सीट से मुख्यमंत्री आतिशी को टिकट दिया। वहीं कांग्रेस ने पूर्व विधायक अलका लांबा को उतारा। इन चेहरों के कारण कालकाजी सीट एक बार फिर हॉट सीट बन गई। वहीं भाजपा ने यहां से रमेश बिधूड़ी को टिकट दिया। कालका सीट से उम्मीदवार बनाए गए बिधूड़ी अपने बयानों की वजह से विवादों में रहते हैं ।जंगपुरा सीट से आप प्रत्याशी मनीष सिसोदिया 675 वोटों से हार गए हैं। भाजपा के प्रत्याशी तरविंदर सिंह मारवाह ने यहां जीत दर्ज की है। हार के बाद आम आदमी पार्टी नेता और जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार मनीष सिसोदिया ने कहा, ङ्कजंगपुरा के लोगों ने बहुत प्यार दिया लेकिन लगभग 600 वोट से हम पीछे रह गए। जो उम्मीदवार जीते हैं, हम उन्हें बधाई देते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि जंगपुरा के लोगों की समस्याओं को वे हल करेंगे। ।करावल नगर सीट से भाजपा के कपिल मिश्रा जीत गए हैं। आम आदमी पार्टी के मनोज त्यागी को उन्होंने 23355 वोटों से हराया है ।आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सौरभ भारद्वाज हार गए हैं। भाजपा की शिखा राय ने उन्हें 3188 वोटों से हराया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने ऐतिहासिक जीत के साथ 27 साल बाद सत्ता में वापसी की है ।भाजपा ने पिछले चुनाव(2020) के मुकाबले वोट शेयर में 9 पेसेंट से ज्यादा का इजाफा हुआ। वहीं, एएपी को 10 पर्सेंट से ज्यादा का नुकसान हुआ है। कांग्रेस को भले ही एक सीट मिलती नहीं दिख रही, लेकिन वोट शेयर 2 पर्सेंट बढ़ाने में कामयाब रही ।बीजेपी की चुनावी जीत के पीछे एक रणनीतिकार होता है जो चुनाव लड़ने से लेकर उसके नतीजों के लिए भी जिम्मेदार होता है, परंतु सबसे ताकतवर होता है मतदाता जो सट्टा का ताज पहन सकता है तो झटके से उतार भी सकता है।

साथियों बात अगर हम फ्रांस के मौजूदा संसदीय चुनाव की करें तो, पहले चरण के चुनाव के बाद उनकी पार्टी हार के बेहद करीब रही थी ।मैक्रों इस समय फ्रांस के राष्ट्रपति हैं और 2027 तक इसी पद पर बने रहेंगे। हालांकि देश के संविधान के तहत वह तीसरी बार इस पद के लिए नहीं लड़ सकते और बतौर राष्ट्रपति उनका कार्यकाल इसी के साथ खत्म हो जाएगा। लेकिन संसदीय चुनावों में हार उनकी पार्टी के लिए बड़ा झटका साबित हुई।

साथियों बात अगर हम ब्रिटेन में 4 जुलाई 2024 को हुए मतदान की करें तो, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को भी हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके पूर्व के प्रधानमंत्री को भी 14 साल से सत्ता पर काबिज उनकी अगुवाई वाली कंजर्वेटिव पार्टी को सत्ता गंवानी पड़ थी। सुनक ने आठ साल में पांचवें प्रधानमंत्री के रूप में लिज ट्रस के इस्तीफे के बाद अक्टूबर 2022 में शपथ ली थी, जो सिर्फ 44 दिनों तक ही सत्ता में रही थीं।

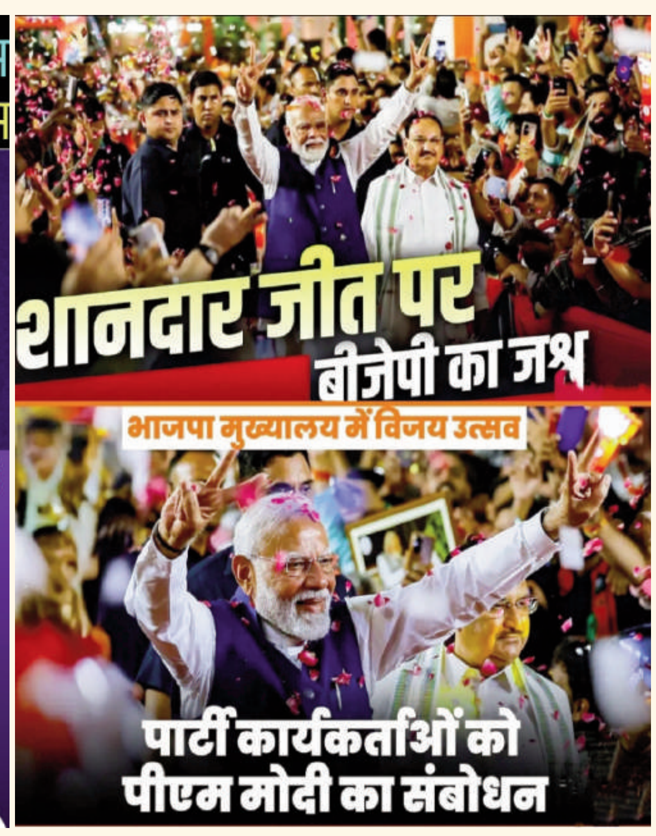


साथियों बात अगर हम 5 नवंबर 2024 को अमेरिका में हुए राष्ट्रपति चुनाव की करें तो, दुनिया 20 जनवरी, 2025 को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह को दूसरी बार देखने के लिए तैयार है। यह औपचारिक समारोह 20 जनवरी को होने वाला है, जो अमेरिकी कांग्रेस द्वारा ट्रंप की चुनावी जीत को प्रमाणित किए जाने के लगभग 2 सप्ताह बाद होगा। ट्रंप-वेंस उद्घाटन समिति ने आने वाले राष्ट्रपति के 'मित्र' प्रधानमंत्री मोदी को निमंत्रण दिया है। विशेष रूप से, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व किए। इस यात्रा के दौरान, जयशंकर आने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक किए ।डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। 20 जनवरी 2025 को पदभार ग्रहण किए । डोनाल्ड ट्रंप को 50.9 पेसेंट वोट मिले। वहीं कमला हैरिस को 47.6 फीसदी मत मिले ।इलेक्टोरल कॉलेज में ट्रंप को 295 और कमला हैरिस को 226 वोट मिले। अमेरिका में राष्ट्रपति के लिए बहुमत का आंकड़ा 270 था।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत सहित दुनियाँ के मतदाताओं की ताकत का दम- दिल्ली सहित प्रमुख देश की सत्ता बदल दी ।भारत की राजधानी दिल्ली सहित अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, ईरान, दक्षिण अफ्रीका के चुनावों में मतदाताओं ने दिखाया अपना रुतबा ।मतदाता राजनीतिज्ञों के भाग्य विधाता हैं-हर मतदाता को अपने वोट का इस्तेमाल हाई अलर्टपर रहकर पूर्ण विश्वास के साथ करना ज़रूरी।

# जनवरी 2025 में कौन सी सब फोर मीटर एसयूवी को किया गया सबसे ज्यादा पसंद, टॉप-5 में कौन हुई शामिल, पढ़ें खबर

परिवहन विशेष न्यूज

जनवरी में टॉप-5 सब फोर मीटर एसयूवी 2025 भारतीय बाजार में Sub Four Meter SUV सेगमेंट में सबसे ज यादा उत पादों को ऑफर किया जाता है। Tata से लेकर Maruti तक इस सेगमेंट में वाहनों की बिक्री करती हैं। January 2025 के दौरान कौन सी पांच एसयूवी को सबसे ज यादा पसंद किया गया है। किसकी कितनी बिक्री हुई है। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** भारतीय बाजार में Maruti, Tata, Hyundai, Mahindra, Kia, Skoda जैसी कंपनियों की ओर से Sub Four Meter SUV सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। हर महीने इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा वाहनों की बिक्री की जाती है। January 2025 के दौरान कौन सी एसयूवी की कितनी यूनिट्स की बिक्री हुई है और इनमें से Top-5 में कौन कौन सी एसयूवी को शामिल किया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

**पहले नंबर पर रही Tata Punch SUV**

टाटा मोटर्स की ओर से सब फोर मीटर एसयूवी सेगमेंट में Tata Punch को ऑफर किया जाता है। इस एसयूवी की बीते महीने 16231 यूनिट्स की बिक्री हुई है। वहीं पिछले साल इसी अवधि के दौरान इसकी 17978 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। ईयरली बेसिस पर बिक्री में कमी के बाद भी बीते महीने इस एसयूवी को सबसे ज्यादा खरीदा गया है।

**दूसरे नंबर पर रही Tata Nexon**

टाटा मोटर्स की ओर से सब फोर मीटर एसयूवी में नेक्सन को भी ऑफर किया जाता है। इस एसयूवी को भी देश में काफी पसंद किया जाता है। बीते महीने के दौरान इसकी 15397 यूनिट्स की बिक्री हुई है, जबकि जनवरी 2024 के दौरान इसकी 17182 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक इसकी बिक्री में भी ईयरली बेसिस पर 10 फीसदी की कमी आई है, लेकिन फिर भी बीते महीने इसे Top-5 में दूसरा स्थान मिला है।

**तीसरे नंबर पर आई Maruti Fronx**

मारुति की ओर से सब फोर मीटर एसयूवी सेगमेंट में फ्रॉन्क्स को लाया जाता है। इस एसयूवी की बीते महीने के दौरान 15192 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान इसकी 13643 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

**अगले नंबर पर रही Maruti Breeza**

मारुति की ओर से ब्रेजा को भी इसी सेगमेंट में लाया जाता है। जनवरी 2025 के दौरान इस एसयूवी को देशभर में 14747 यूनिट्स को खरीदा है। वहीं जनवरी 2024 के दौरान इसकी 15303 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक इसकी बिक्री में भी चार फीसदी तक की कमी दर्ज की गई है।

**Top-5 में शामिल हुई Hyundai Venue**

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता हुंडई की ओर से सब फोर मीटर एसयूवी सेगमेंट में वेन्यू को लाया जाता है। आंकड़ों के मुताबिक बीते महीने इस एसयूवी की 11106 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जनवरी 2024 के दौरान 11831 यूनिट्स को खरीदा गया था। इसकी बिक्री में भी ईयरली बेसिस पर छह फीसदी की कमी आई है।

# हुंडई ऑरा का कॉर्पोरेट संस्करण हुआ लॉन्च, एलईडी डीआरएल, टीपीएमएस जैसे कई फीचर्स हुए ऑफर, जानें कितनी है कीमत

परिवहन विशेष न्यूज

हुंडई ऑरा कॉर्पोरेट एडिशन लॉन्च किया गया साउथ कोरियाई वाहन निर्माता हुंडई की ओर से भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से हाल में ही कॉम्पैक ट सेडान के तौर पर ऑफर की जाने वाली Hyundai Aura का Corporate Edition लॉन्च किया है। इसे किस कीमत पर लाया गया है इसमें किस तरह के फीचर्स दिए गए हैं। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में वाहनों को ऑफर करने वाली साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai की ओर से कॉम्पैक्ट सेडान कार Hyundai Aura का Corporate Edition लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी की ओर से इस एडिशन में किस तरह के फीचर्स को दिया गया है। कितने वेरिएंट में इस एडिशन को लाया गया है। किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

**लॉन्च हुआ Hyundai Aura Corporate Edition**

हुंडई की ओर से ऑरा को कॉम्पैक्ट सेडान कार सेगमेंट में ऑफर किया जाता है। इस सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली हुंडई ऑरा को कॉर्पोरेट एडिशन के साथ लॉन्च किया गया है। जिससे सफर के दौरान अनुभव बेहतर हो जाएगा।

**क्या है खासियत**

कंपनी की ओर से ऑरा के नए एडिशन में कई फीचर्स को ऑफर किया जा रहा है। इसमें 6.75 इंच का टचस्क्रीन डिस्प्ले ऑडियो दिया गया है। इसके साथ ही 15 इंच टायर के साथ ड्यूल टोन स्टाइल स्टील व्हील, एलईडी डीआरएल, रियर विंग स्पॉयलर, टीपीएमएस, रियर एसी वेंट, रियर सेंटर आर्मरेस्ट के साथ कप होल्डर दिया गया है। साथ ही गाड़ी में कॉर्पोरेट की बैजिंग को भी दिया गया है।

**कितना दमदार इंजन**

सेडान कार को भले ही कॉर्पोरेट एडिशन के साथ लॉन्च किया गया है। लेकिन इसके इंजन में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। इसमें 1.2 लीटर की क्षमता का इंजन दिया गया है जिससे 83 पीएस की पावर और 113.8 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसमें पेट्रोल के साथ ही सीएनजी इंजन का विकल्प भी मिलता है जिसमें 1.2 लीटर इंजन से इसे 69 पीएस की पावर और 95.2 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। Hyundai Aura Corporate Edition में भी 5स्पीड मैनुअल और स्मार्ट ऑटो एएमटी ट्रांसमिशन के विकल्प मिलते हैं।

**कितनी है कीमत**

हुंडई की ओर से ऑरा के कॉर्पोरेट एडिशन को पेट्रोल और सीएनजी दोनों ही इंजन के विकल्प के साथ लाया गया है। सेडान कार के कॉर्पोरेट एडिशन के पेट्रोल वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 7.48 लाख रुपये रखा गया है। वहीं इसके वर्जन को 8.47 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

**किनसे है मुकाबला**

Hyundai Aura को Compact Sedan Car सेगमेंट में लाया जाता है। इस सेगमेंट में इसका सीधा मुकाबला Maruti Dzire, Tata Tigor और Honda Amaze जैसी कारों के साथ होता है।

# मारुति बलेनो को खरीदना हो गया महंगा, जान लें कंपनी ने किस वेरिएंट की कीमत में कितनी बढ़ोतरी की

परिवहन विशेष न्यूज

मारुति बलेनो की कीमत में बढ़ोतरी देश की प्रमुख वाहन निर्माता Maruti Suzuki की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से प्रीमियम हैचबैक कार सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली Maruti Baleno को खरीदना महंगा कर दिया गया है। कंपनी ने इस कार की कीमतों में कितनी बढ़ोतरी की है। इसे अब किस कीमत पर खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** देश की प्रमुख वाहन निर्माता Maruti Suzuki की ओर से Premium Hatchback कार के तौर पर Maruti Baleno को लाया जाता है। कंपनी की ओर से इस गाड़ी की कीमतों को बढ़ा दिया गया है। बलेनो की कीमतों में कितनी बढ़ोतरी की गई है। किस वेरिएंट को खरीदना कितना महंगा हो गया है। अब किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

**महंगी हुई Baleno**

मारुति की ओर से प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली कार Maruti Baleno को साल 2025 में खरीदना महंगा हो गया है। कंपनी की ओर से फरवरी में कीमतों को बढ़ाया गया है। जानकारी के मुताबिक इसके सभी वेरिएंट्स की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी गई है। इन कीमतों को तत्काल प्रभाव से लागू भी कर दिया गया है।

**कितनी बढ़ी कीमत**

रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से इस गाड़ी की कीमत में अधिकतम नौ हजार रुपये तक बढ़ाए गए हैं। इसके Delta GS, Zeta AGS, Alfa AGS वेरिएंट्स की कीमतों में नौ हजार रुपये तक बढ़ाए गए हैं वहीं इसके अन्य वेरिएंट्स की कीमत में भी पांच हजार रुपये तक बढ़े हैं।

**कितनी हुई कीमत**

कंपनी की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक इसकी एक्स शोरूम कीमत 6.70 लाख रुपये से शुरू हो जाती है। इसके अलावा इसके टॉप वेरिएंट को 9.92 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

**पहले ही दी थी जानकारी**

मारुति की ओर से साल 2024 के आखिर में ही इस बात की जानकारी दे दी गई थी कि वह नए साल में अपनी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी कर देगी। जनवरी की शुरुआत में तो कंपनी की ओर से कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई थी, लेकिन अब मारुति की कारों को खरीदना महंगा हो गया है। मारुति ने अपने पोर्टफोलियो की सभी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी की है। लेकिन यह बढ़ोतरी एक समान नहीं की गई है बल्कि अलग अलग वेरिएंट पर अलग अलग बढ़ोतरी की गई है।

**किनसे है मुकाबला**

मारुति की ओर से बलेनो को प्रीमियम हैचबैक के तौर पर लाया जाता है। इस हैचबैक कार का बाजार में सीधा मुकाबला Toyota Glanza, Tata Altroz, Hyundai i20 जैसी कारों के साथ होता है। लेकिन कीमत के मामले में इसे Nissan Magnite, Renault Triber, Tata Punch जैसी एसयूवी से भी कड़ी चुनौती मिलती है।

# अगर आप भी जा रहे हैं कार से लंबे सफर पर, ड्राइविंग के समय रखें इन बातों का ध्यान, नहीं होंगे परेशान

परिवहन विशेष न्यूज

कार ड्राइविंग टिप्स देश और दुनियाभर में लोग अक सर अपनी कार से कई किलोमीटर का सफर तय करते हैं। दिन और रात के समय गाड़ी से सफर करने पर अलग अलग अनुभव भी मिलते हैं। अगर आप भी अपनी गाड़ी से लंबे सफर की तैयारी कर रहे हैं तो ड्राइविंग के समय किन बातों का ध यान रखना काफी जरूरी होता है। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** जब भी हम किसी सफर पर जाते हैं तो कोशिश करते हैं कि अपने वाहन से यात्रा करें जिससे हम अपने डेस्टिनेशन पर समय पर पहुंच जाते हैं। कोई अपने दोस्तों संग, तो कोई अपने परिवार संग और कई लोग तो अकेले ही ट्रैवल करते हैं। अगर बात लंबी दूरी की ट्रैवलिंग की हो तो हमारे लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। अगर आप भी अपनी कार से लंबे सफर पर जाने की तैयारी कर रहे हैं तो आपको कुछ बातों को जान लेना चाहिए जिससे आपको सफर के दौरान (Car Driving Tips) कोई दिक्कत न हो। आप इस खबर में उन बातों को जान सकते हैं।

टायर का रखें ध्यान

अगर आप भी किसी टूर पर जा रहे हैं तो सबसे पहले अपनी कार के टायर्स जरूर चेक करें। देखें कि टायर में एयर प्रेशर कम तो नहीं है या किसी तरह का कोई पंचर तो नहीं है। टायर का घिसा होना आपके लिए किसी दुर्घटना को आमंत्रण भी दे सकता है। ध्यान रखें कि टायर में दरार न हो और न ही टायर घिसे हों। वरना आपको सफर के बीच में भी दिकक्त हो सकती है।

**टूल स और मेडिकल किट रखना न भूलें**

अपनी कार से लंबे सफर पर जा रहे हैं तो अपनी कार में सेफ्टी टूल्स रखना न भूलें। मेडिकल किट जरूर रखें ताकि किसी स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी तरह की दिक्कत होने पर आपको परेशानी न हो। आप अपनी कार में एक्स्ट्रा टायर के साथ ही पंचर रिपेयर किट को भी जरूर रखें।

**लाइट्स और इंडीकेटर्स का करें इस् तेमाल**

कई बार दिन के साथ ही रात के समय भी सफर करना पड़ता है। इसलिए लाइट्स के साथ ही इंडीकेटर्स का सही तरह से इस्तेमाल जरूर करें। घर से निकलने से पहले यह जरूर चेक करना चाहिए कि क्या गाड़ी की सभी लाइट्स और इंडीकेटर्स सही तरह से काम कर रहे हैं या नहीं। अगर कोई परेशानी हो तो उसे ठीक करवाना चाहिए।

**हाई बीम से बचें**

आमतौर पर लोग कार चलाते समय हाई बीम पर ही कार चलाते हैं। शहर के साथ ही हाइवे पर हाई बीम में गाड़ी चलाना न सिर्फ आपके लिए बल्कि सामने से आने वाले वाहनों के लिए भी खतरे को बढ़ा सकता है। इसलिए कार को लो बीम पर ही चलाना बेहतर रहता है। किसी भी मौसम के दौरान रात के समय कार चलाते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए।

# किआ सिरोस डीजलके बेस वेरिएंट एचटीके ओ को है घर लाना, दो लाख रुपये अग्रिम भुगतान देने के बाद जाएगी इतनी ईएमआई

परिवहन विशेष न्यूज

कार वित्त योजना भारतीय बाजार में साउथ कोरियाई की वाहन निर्माता Kia की ओर से Sub Four Meter SUV सेगमेंट में Kia Syros को लाया जाता है। अगर आप इस एसयूवी के डीजल के बेस वेरिएंट को खरीदने का मन बना रहे हैं तो दो लाख रुपये की Down Payment करने के बाद कितने रुपये की EMI देनी (Kia Syros Diesel HTK O EMI) पड़ेगी। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Kia की ओर से Sub Four Meter एसयूवी के तौर पर कुछ समय पहले ही Kia Syros को लॉन्च किया है। अगर आप इस एसयूवी के डीजल वर्जन के बेस वेरिएंट HTK (O) को खरीदने का मन बना रहे हैं तो दो लाख रुपये की Down Payment करने के बाद कितने रुपये की EMI देकर (Kia Syros Diesel HTK O Down Payment and EMI) घर ला सकते हैं। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

**Kia Syros Diesel HTK (O) Price**

किआ की ओर से भारत में सिरोस को 1.5 लीटर के डीजल इंजन के साथ ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से इस एसयूवी को डीजल इंजन के साथ 11 लाख रुपये की एक्स शोरुम कीमत पर ऑफर किया जाता है। गाड़ी को अगर दिल्ली में खरीदा जाता है तो 11 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत के साथ ही इस पर रजिस्ट्रेशन टैक्स, टीसीएस चार्ज और आरटीओ की कीमत भी देनी होगी। इस गाड़ी को खरीदने के लिए 1.37 हजार रुपये आरटीओ, 53 हजार रुपये इंश्योरेंस के देने होंगे। साथ ही 11 हजार रुपये का टीसीएस चार्ज दिया जाएगा। इसके बाद गाड़ी की दिल्ली में ऑन रोड कीमत 13.01 लाख रुपये हो जाती है।

**2 लाख रुपये Down Payment के बाद कितनी EMI**

अगर Kia Syros diesel के सबसे सस्ते वेरिएंट HTK (O) को आप खरीदते हैं, तो बैंक की ओर से एक्स शोरूम कीमत पर ही फाइनेंस किया जाएगा। ऐसे में दो लाख रुपये की डाउन पमेंट करने के बाद आपको करीब 11.01 रुपये की राशि को बैंक से फाइनेंस करवाना होगा। बैंक की ओर से अगर आपको नौ फीसदी ब्याज के साथ सात साल के लिए 11.01 लाख रुपये दिए जाते हैं, तो हर महीने सिर्फ 17724 रुपये की EMI आपको अगले सात साल के लिए देनी होगी।

**कितनी महंगी पड़ेगी गाड़ी**

अगर आप नौ फीसदी की ब्याज दर के साथ सात साल के लिए 11.01 लाख रुपये का बैंक से Car Loan लेते हैं, तो आपको सात साल तक 17724 रुपये की EMI हर महीने देनी होगी। ऐसे में सात साल में आप Kia Syros Diesel के HTK (O) वेरिएंट के लिए करीब 3.87 लाख रुपये बतौर ब्याज देंगे। जिसके बाद आपकी गाड़ी की कुल कीमत एक्स शोरूम, ऑन रोड और ब्याज मिलाकर करीब 16.88 लाख रुपये हो जाएगी।

**किनसे होता है मुकाबला**

Kia की ओर से Syros को कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में लाया जाता है। इस सेगमेंट में इसका सीधा मुकाबला Skoda Kylaq, Kia Sonet, Tata Nexon, Maruti Brezza, Mahindra XUV 3XO, Nissan Magnite, Renault Kiger जैसी कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ होता है।

# मानसिक समस्याओं से जूझते बच्चे

विजय गर्ग

आजकल की भागदौड़ भरी दुनिया में मानसिक समस्याएं बड़ी तेजी से लोगों को अपना शिकार बनाती जा रही हैं। इसका प्रभाव इतना तीक्ष्ण होता है कि इससे न तो कोई देश बचा है, और न ही कोई राज्य कटु सत्य है कि इसके घातक प्रभाव से अछूता आज न तो कोई गांव है, न कोई शहर और न ही कोई गली-मोहल्ला इसका शिकार बच्चे, किशोर, बड़े-बजुर्ग, स्त्री और पुरुष सभी हो रहे हैं, लेकिन आंकड़ों की बात करें, तो विशेष रूप से, बच्चों और किशोरों में यह समस्या अब कुछ ज्यादा ही जटिल होती जा रही है। इसके कारण बच्चों की मासूमियत खत्म होती जा रही है। उनकी फूल-सी मुस्कुराहट कहीं खो रही है। वे बेहद गुस्सैल होते जा रहे हैं। वे बात-बात पर क्रोध करने लगे हैं। यहां तक कि अपने माता- पिता और अभिभावक पर हमले करने से भी वे नहीं चूकते। ऐसे में उनके माता-पिता को यह समझ में नहीं आता कि जो बच्चे कुछ महीने, साल पहले तक मासूमियत से भरे बिल्कुल सामान्य व्यवहार वाले थे, हर पल खेलते- कूदते, हंसते-मुस्कराते, गाते गुनगुनाते और आयु के अनुरूप शरारतें करते रहते थे, आखिर क्या कारण है कि 5 अचानक उनका व्यवहार इस प्रकार बदल गया कि वे उन्हें बिल्कुल सुनना और मानना ही नहीं चाहते।

विडंबना है कि खेलने-कूदने और खाने-पीने की आयु में देश के बच्चों और किशोरों में बेचैनी, अवसाद तथा मानसिक तनाव जैसी समस्याएं अब गंभीर होती जा रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की 'मेंटल हेल्थ आफ चिल्ड्रन एंड यंग पीपल' नामक ताजा रपट के मुताबिक दुनिया दस से उन्नीस वर्ष का प्रायः प्रत्येक सातवां बच्चा किसी न किसी मानसिक समस्या से जूझ रहा है। इन समस्याओं में अवसाद, बेचैनी और व्यवहार से जुड़ी समस्याएं शामिल है। एक अनुमान के मुताबिक मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी लगभग एक तिहाई समस्याएं 14 साल की उम्र से पहले शुरू हो जाती जबकि इनमें से आधी समस्याएं 18 वर्ष से पहले सामने आने लगती हैं। तात्पर्य यह कि जब हमारे मासूम बाल्यावस्था से किशोरावस्था की ओर कदम बढ़ाना आरंभ करते हैं, सामान्यतया उसी दौरान मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अलग-अलग समस्याएं उन्हें अपना शिकार बनाना शुरू कर देती हैं।

यूनिसेफ की एक रपट के अनुसार भारत में सात में से एक बच्चा अवसाद का शिकार है। आंकड़ों की बात करें, तो। देश के 14 फीसद बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य खराब है। इसी प्रकार, 'इंडियन जर्नल आफ साइकिएट्री' में वर्ष 2019 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार भारत में पांच करोड़ से अधिक बच्चे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे थे। इनमें से था ज्यादातर बच्चे तनाव, चिंता और अवसाद का सामना कर रहे थे।

यूनिसेफ के एक अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के बाद ये आंकड़े पहले की तुलना में कई गुना तक बढ़ गए हैं। डब्लूएचओ के आंकड़े बताते हैं कि पूरी दुनिया में 30 करोड़ से भी अधिक लोग चिंता और तनाव से जूझ रहे हैं। कोई 28 करोड़ लोग अवसाद का सामना कर रहे हैं। विज्ञान पत्रिका 'द लॉसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार आस्ट्रेलिया में 75 फीसद किशोर तनाव- चिंता और बेतहाशा अवसाद से जूझ रहे हैं। वहीं, दस से 18 वर्ष की आयु के 64 फीसद वयस्कों को तीन से अधिक बार खराब मानसिक स्वास्थ्य का दंश झेलना पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार किशोरावस्था के दौरान लड़के-लड़कियों में कई प्रकार के हार्मोन में और शारीरिक बदलाव होने के कारण उनकी सोच और व्यवहार में बदलाव आता है। इनके अतिरिक्त उसी दौरान लड़के-लड़कियों को बोर्ड परीक्षाओं और करिअर को लेकर विषय चुनने जैसे दबावों और ऊहापोह वाली परिस्थितियों से भी गुजरना पड़ता है।

ऐसे में, अगर उन्हें घर और विद्यालय में सहयोगी परिवेश नहीं मिले तो ये दबावों और ऊहापोह वाली परिस्थितियां प्रायः तनाव-चिंता और अवसाद का रूप ले लेती हैं। इसी प्रकार, जो बच्चे नियमित पढ़ाई-लिखाई नहीं करते, वे परीक्षाएं नजदीक आने पर अक्सर दबाव में आ जाते हैं।

वहीं, मनोचिकित्सकों का मानना है कि आजकल बच्चों में विफलताओं से निपटने की क्षमता कम होती जा रही है। कभी-कभी यह आनुवंशिक भी हो सकता है। इतना ही नहीं, हमारी प्रतिदिन की आदतों में शामिल हो चुके फास्ट फूड, शीतल पेय और सोशल मीडिया जैसे तत्त्व भी अवसाद का कारण बन रहे हैं। वर्ष 2024 में नेशनल लाइब्रेरी आफ मेडिसिन (एनएलएम) में प्रकाशित एक अध्ययन में यह बात सामने आई थी कि 'अल्ट्रा प्रोसेस्ड और फास्ट फूड' खाने से व्यक्ति तनाव और का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है, जिसका सबसे अधिक खतरा वयस्कों होता 18. क्योंकि फास्ट और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के सबसे बड़े उपभोक्ता भी वही हैं। ऐसे ही, एनएलएम में 2022 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार चीनी से बने पदार्थ या 'ड्रिंक्स' का सेवन भी किशोरों के खराब मानसिक स्वास्थ्य की बड़ी वजह बन रहा है। जाहिर है कि 'एनर्जी ड्रिंक' या कोल्ड ड्रिंक के नाम पर मिल रहे इस प्रकार के पेय अवसाद का कारण बन सकते हैं। विज्ञान पत्रिका 'फ्रंटियर्स' में 2023 में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक जो किशोर प्रतिदिन सात घंटे से अधिक समय 'स्क्रीन' पर बिताते हैं, उन्हें अवसाद का शिकार बनने की आशंका अन्य की तुलना में दोगुने से भी अधिक होती है।

इस अध्ययन के मुताबिक, अगर कोई सोशल मीडिया पर प्रतिदिन एक घंटे बिताता है, तो उस व्यक्ति में अवसाद के लक्षण प्रतिवर्ष 40 फीसद तक बढ़ जाते हैं। बीएमसी मेडिसिन में 2010 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लड़के-लड़कियां किसी तरह के खेल, शारीरिक व्यायाम भाग नहीं लेते, उनके अवसाद का शिकार बनने की आशंका अधिक होती है। उक्त अध्ययन में यह भी पता चला था कि प्रतिदिन घंटे शारीरिक व्यायाम से अवसाद एवं तनाव का जोखिम 95 फीसद तक कम हो जाता है। इसलिए यह कि बच्चों का खेल का समय बढ़ाने 1 और बहुत 'स्क्रीन टाइम' घटाने का हर संभव प्रयास किया जाए, लेकिन जो बच्चे पहले ही तनाव और अवसाद का शिकार बन चुके हैं, उन्हें ठीक करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है। बच्चों को व्यावहारिक बनाने, उन्हें जीवन की वास्तविकताओं से अवगत कराने और जीवन के उतार-चढ़ाव को साझा करने की भी आवश्यकता है, क्योंकि मस्तिष्क का विकास जीवन और अनुभव के साथ होता जाता है। इसके अलावा, प्रतिदिन कम से कम एक बार पूरे परिवार को एक साथ भोजन अवश्य करना चाहिए। इस दौरान मोबाइल, टीवी आदि इलेक्ट्रानिक उपकरणों से दूरी बनी रहे, क्योंकि इससे परिवार में सामंजस्य बढ़ता है। बच्चों से संबंधित शोध एवं अध्ययन करने वाला प्रसिद्ध शोध संस्थान 'मरडोक चिल्ड्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट' के तत्त्वावधान में किए गए इस अध्ययन में यह बताया गया है कि इन मामलों में चिकित्सीय देखभाल से अधिक जरूरत बच्चों को इन मानसिक बीमारियों से बचाने को लेकर रणनीति बनाने की है। वहीं, डब्लूएचओ एवं यूनिसेफ की 'मेंटल हेल्थ आफ चिल्ड्रेन एंड यंग पीपल' नामक रपट में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए समुदाय आधारित माडल तैयार करने की बात कही गई है।

# भारत में स्कूल घर पर और कक्षाओं में उठाए गए गणित कौशल को अलग-अलग तरह देखता है

विजय गर्ग

भारत में स्कूल घर पर और कक्षाओं में उठाए गए गणित कौशल को अलग मानते हैं: नोबेल पुरस्कार विजेता एस्तेर डुफ्लो नेचर जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि कामकाजी बच्चे बाजार की गणना में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं लेकिन भारतीय स्कूलों में पाठ्यपुस्तक की समस्याओं के साथ संघर्ष करते हैं, जबकि स्कूलों में बच्चे अकादमिक गणित की समस्याओं के साथ अच्छी तरह से काम करते हैं, लेकिन व्यावहारिक गणना में भी ऐसा नहीं करते हैं।

बाजारों में काम करने वाले बच्चे अपनी नौकरी के हिस्से के रूप में जटिल लेनदेन कर सकते हैं, लेकिन स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यपुस्तक गणित के साथ संघर्ष करते हैं, जबकि स्कूलों में बच्चे अकादमिक गणित की समस्याओं के साथ अच्छी तरह से काम करते हैं, लेकिन व्यावहारिक गणना में भी नहीं करते हैं।

अध्ययन ने दिल्ली और कोलकाता में बच्चों की जांच की ताकि यह समझा जा सके कि वास्तविक दुनिया और कक्षा सेटिंग्स के बीच गणित कौशल कैसे स्थानांतरित होता है। 20 से अधिक वर्षों तक भारत में शिक्षा पर काम किया। प्रथम द्वारा हाल ही में ऐसेईआर की रिपोर्ट बुनियादी शिक्षा में प्रगति दिखाती है - एक महत्वपूर्ण उपलब्धि। हालांकि, वर्षों से इसने प्राथमिक स्कूलों और किशोरों के बीच बुनियादी गणित और सीखने की उपलब्धि के निम्न स्तर का खुलासा किया है। यह उन बाजारों में जो हम देखते हैं, उसके साथ तेजी से विपरीत होता है, जहां बच्चे आसानी से लेनदेन को संभालते हैं और परिवर्तन की गणना करते हैं।

बाजार गणित और शैक्षणिक गणित के बीच की खाई को पाटने के लिए शिक्षण और मूल्यांकन में क्या बदलाव की आवश्यकता है? कुंजी मौजूदा ज्ञान को पहचान रही है। बच्चों के पास विभिन्न स्रोतों से गणित कौशल है - बाजार, वीडियो गेम, खेत का काम - लेकिन स्कूल घर के ज्ञान और स्कूल के ज्ञान को अलग-अलग डोमेन मानते हैं। हमें इस अंतर को पाटने की जरूरत है।

वर्तमान समस्या यह है कि छात्र बिना समझे एल्गोरिदम सीखते हैं। उन्हें समस्या-समाधान दृष्टिकोण के बजाय विशिष्ट समाधान सिखाए जाते हैं।

हमें समस्याओं के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करना चाहिए। पुराने छात्रों के लिए, गणना से पहले अनुमान लगाने में मदद मिलेगी। हमारे सफल प्रारंभिक-ग्रेड हस्तक्षेप स्व-जाँच तंत्र के साथ सहयोगी खेलों का उपयोग करते हैं, हालांकि हमने मध्य विद्यालय के छात्रों (13-15 वर्ष की आयु) के लिए पूरी तरह से इसका पता नहीं लगाया है। सीखने के परिणामों पर नई शिक्षा नीति का ध्यान छात्रों के व्यावहारिक कौशल या सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान को मापता है? व्यावहारिक अनुप्रयोग को सैद्धांतिक सीखने के पूरक के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि समय की बर्बादी। नई शिक्षा नीति इसे पहचानती है, विशेष रूप से शुरुआती ग्रेड में जहां यह खेलों के माध्यम से सीखने को प्रोत्साहित करती है। खेल बच्चों को ठीक से संरचित होने पर ज्ञान के मालिक होने में मदद करते हैं। उच्च ग्रेड के लिए, यह अध्ययन बताता है कि हमें प्रारंभिक-ग्रेड खेलों के समान कुछ चाहिए - व्यावहारिक अनुप्रयोगों के साथ सैद्धांतिक ज्ञान को जोड़ना। यह मौजूदा व्यावहारिक ज्ञान और अमूर्त अवधारणाओं के बीच की खाई को पुल करता है जिसे हम सिखाना चाहते हैं।

इस पर सीमित शोध है - मुख्य रूप से ब्राजील के आउट-ऑफ-स्कूल बच्चों का एक पुराना मानवशास्त्रीय अध्ययन जिन्होंने मजबूत गणना क्षमता दिखाई।

फ्रांस में, छात्र पीआईएसए (अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन के लिए कार्यक्रम) परीक्षणों पर खराब प्रदर्शन करते हैं, आंशिक रूप से क्योंकि उनमें व्यावहारिक प्रश्न होते हैं, जबकि फ्रांसीसी गणित शिक्षा बहुत सार है। तो यह निश्चित रूप से कुछ ऐसा है जो फ्रांस में कम से कम सच लगता है। सिंगापुर का पाठ्यक्रम व्यावहारिक और सैद्धांतिक समस्याओं को संतुलित करने की कोशिश करता है।

लेकिन हाँ, यह अद्वितीय नहीं लगता है। यह शायद भारत या फ्रांस जैसे देशों में अधिक तीव्र है जिसमें पाठ्यक्रम है जो बहुत सार हैं।

उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली एक सामान्य रणनीति गोलाई है। उदाहरण के लिए, स्कूल के रास्ते में 490 ग्राम गुना 50 रुपये की गणना करने के बजाय, वे 500 से 50 गुणा करेंगे और फिर घटाएंगे। बाजार और स्कूल गणित के बीच की खाई, पाठ्यपुस्तक आधारित राष्ट्रीय मूल्यांकन जैसे एनएएस (राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण) या एएसईआर वास्तविक शिक्षा को मापने वाले हैं? वे ठीक उसी पर कब्जा करते हैं, जिस पर उन्हें कब्जा करने की आवश्यकता होती है, जो यह है कि क्या स्कूल प्रणाली प्रदान करने का प्रबंधन कर रही है जो इसे प्रदान करने की कोशिश कर रही है। स्कूल जो सिखाने की कोशिश कर रहे हैं, वह लोगों को विभाजन, घटाव आदि करना है। और इसलिए, ऐसेईआर या राष्ट्रीय मूल्यांकन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं

यह कुछ विशिष्ट माप रहा है, जो स्कूल गणित को लागू करने की समझ और क्षमता है। यह इस तथ्य को नहीं मापता है कि कुछ बच्चे गणित करने में सक्षम हो सकते हैं जब इसे स्कूल गणित के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाता है, और जो बच्चे स्कूल गणित करने में सक्षम हैं, वे इस ज्ञान को अन्य चीजों पर लागू करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। उसके लिए, अन्य सर्वेक्षण हैं; उदाहरण के लिए, समय-समय पर, नियमित ऐसेईआर को मूल बातें से परे नामक एक व्यक्ति द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है जिसमें व्यावहारिक प्रश्न भी होते हैं।

ऐसेईआर के शैक्षणिक परीक्षण या पीआईएसए की व्यावहारिक समस्याएं? पहले स्थान पर, स्कूल जो हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, वह औपचारिक तरीके से बुनियादी अंकगणित सिखा रहा है। हमारा अध्ययन यह नहीं कह रहा है कि हमें उसे सिखाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

# बढ़ती गर्मी का युवाओं पर ज्यादा होगा असर, बढ़ेगा दायरा

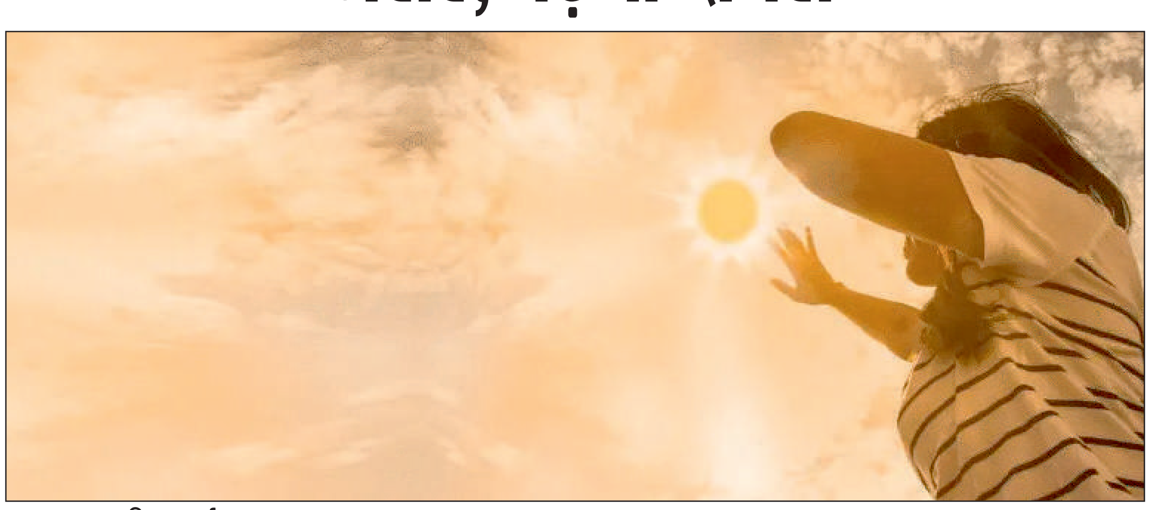

विजय गर्ग

नए अध्ययन में पता चला है कि जलवायु परिवर्तन के कारण बढती गर्मी से मरने वाले युवाओं की संख्या बुजुर्गों से ज्यादा हो सकती है। शोध में पाया गया कि ज्यादा तापमान और नमी के दौरान 35 साल से कम उम्र के युवाओं की मौत की दर 50 साल से अधिक उम्र के लोगों की तुलना में कहीं ज्यादा है। निरंतर वैश्विक तापमान वृद्धि के तहत स्वस्थ युवाओं के लिए बढ़ती गर्मी के अनुकूल होने में कठिनाई होने वाली भूमि का विस्तार तीन गुना हो सकता है। इस बारे में नेचर रिव्यूज अर्थ एंड एनवायरनमेंट में निष्कर्ष प्रकाशित किया गया। इसमें कहा गया है कि दक्षिण एशिया सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में से एक है। किंग्स कालेज लंदन के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने यह भी चेतावनी दी कि भूमि का वह क्षेत्र जहां वृद्ध जोखिम में होंगे, लगभग 35 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्ग अपने शरीर में उम्र से संबंधित परिवर्तनों के कारण अत्यधिक गर्मी के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जिसमें पसीना कम आना और रक्त संचार धीमा होना शामिल हैं।

किंग्स कालेज लंदन में पर्यावरण भूगोल के वरिष्ठ व्याख्याता और प्रमुख लेखक टाम मैथ्यूज ने कहा कि निष्कर्ष दिखाते हैं कि यदि वैश्विक तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा पहुंच जाता हैं, तो इसके संभावित घातक परिणाम हो सकते हैं। मैथ्यूज ने कहा, असह्य ताप सीमा, जो अब तक पृथ्वी के सबसे गर्म क्षेत्रों में वृद्धों के लिए केवल कुछ समय के लिए ही पार की गई है, युवाओं के लिए भी उभरने की संभावना है।

ऐसा क्यों हो रहा है? शोधकर्ता ने दो संभावनाएं जाहिर की हैं। इसका पहला कारण यह है कि गर्मी का असर बाहर खुले में काम करने वालों पर ज्यादा हो सकता है। ऐसा करने वालों लोगों में युवा ज्यादा होते हैं। दूसरी वजह यह है कि युवा शारीरिक सीमाओं को नहीं समझते और ताप लहर के दौरान जोखिम भरे काम करते हैं। टीम ने पहले प्रकाशित अध्ययनों की समीक्षा की और पाया कि यदि तापमान पूर्व औद्योगिक स्तरों से दो डिग्री सेल्सियस ऊपर पहुंच गया, तो वर्ष 2000 की जलवायु में हर 100 साल में तापमान बढ़ने के कारण मृत्यु के आम तौर पर कुछ वर्षों में बढ़ने की आशंका हो सकती है। वैश्विक तापमान में समान वृद्धि के लिए विश्लेषण ने भूमि क्षेत्र में लगभग तीन गुना वृद्धि का सुझाव दिया, जो छह प्रतिशत से अधिक तक बढ़ रहा है। वहीं युवाओं के शरीर का मुख्य तापमान प्रतिक्रिया में अनियंत्रित रूप से बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने इसे अपूरणीय ताप कहा। मैथ्यूज ने कहा, ऐसी स्थितियों में लंबे समय तक बाहर रहने से यहां तक कि छाया में रहने वालों, तेज हवा के संपर्क में रहने वालों और अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रहने वालों के लिए भी घातक तापघात होने की उम्मीद की जा सकती है। यह तापमान में बढ़ोतरी से मौत के जोखिम में एक कदम बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है।

बढ़ रहा है तापमान और आर्द्रता की सीमा शोधकर्ताओं ने पाया कि 1994 से 2023 के बीच तापमान और आर्द्रता के लिए मानव सहनशीलता, जिसके आगे शरीर सामना नहीं कर सकता है 60 वर्ष से कम आयु के बुजुर्गों के लिए दुनिया की लगभग दो प्रतिशत भूमि में अतिक्रमित हो गई थी। हालांकि, वृद्धों के लिए दुनिया की भूमि का पांचवां हिस्सा इस सीमा को पार कर गया है। टीम ने अनुमान लगाया कि पूर्व औद्योगिक स्तरों से चार से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक गर्मी के लिए वृद्धों को चरम घटनाओं के दौरान सतह के 60 प्रतिशत हिस्से में असहनीय गर्मी का अनुभव हो सकता है।

# तरंगों के तार

विजय गर्ग

प्राचीनकाल में व्रत की अवधारणा के पीछे संभवतः यही कारण रहा होगा कि ऋषि-मुनि आदि यह अनुभव करते होंगे कि भोजन मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी कमजोरी है और संकल्प शक्ति बढ़ाने और एक पवित्र जीवन व्यतीत करने में यह बहुत बड़ी बाधा है। इसके लिए सप्ताह में एक दिन भोजन नहीं करने की शुरुआत हुई होगी। अपनी बड़ी कमजोरी से दूर रहना । समय बदलता है, प्रवृत्तियां बदलती हैं । आज भोजन के अलावा कुछ अन्य है, जो मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत बड़ी बाधा है । वह है सोशल मीडिया की लत, जिसने किसी मादक पदार्थ के नशे की तरह युवा पीढ़ी के साथ सभी उम्र के लोगों को घेरे में ले रखा है।

यह सभी स्वीकार करेंगे कि बच्चों और युवाओं के लिए नियमित रूप से लगातार पढ़ना जरूरी है। उम्र के साथ-साथ मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सही रखना है। मगर वह सोशल मीडिया के दुश्चक्र में बुरी तरह उलझकर रह जाता है । फलस्वरूप वह पढ़ाई और सकारात्मक गतिविधियों से दूर होता चला जाता है। जब इसका गंभीरता से विश्लेषण किया जाए तो पाते हैं कि सोशल मीडिया पर अधिक समय देने वाली जीवन शैली इसके लिए जिम्मेदार है। फेसबुक, इंस्टा, रील्स और यूट्यूब । हम सभी समान स्थिति में हैं। सभी के हाथ में लगातार मोबाइल बना रहता है। सहजता से जो विषय आकर्षित करता है, वह हम देखते हैं। जैसे ही हम अपने पसंदीदा विषय पर रील या अन्य सामग्री देखते हैं तो स्वचालित ढंग से इंटरनेट हमारे रुचि की सामग्री से भरे वीडियो हमारी स्क्रीन पर धकेलता है । हम जिस आयाम जैसे सिनेमा, नृत्य, साहित्य, शेयर बाजार, खेल, हास्य- जिस विषय को तलाशते हैं, लगातार उसी विषय के वीडियो चलने लगते हैं। अब एक मिनट में हमें मन के अनुसार विषय पर वीडियो मिलता है, तो मस्तिष्क से खुशी का 'डोपामाइन' स्रावित होने लगता है। यहां सुविधा यह भी है कि एक मिनट का वीडियो ठीक नहीं लगता, तो हम स्क्रॉल कर आगे बढ़ जाते हैं ।

यहां समस्या यह हो गई कि कम समय में बिना किसी श्रम के मन में खुशी का रसायन

'डोपामाइन' बहने से मन एक आलस्य में पड़ जाता है। जबकि जीवन संघर्षों से भरा हुआ है। जीवन की सफलताएं बहुत मेहनत कड़ी प्रतिस्पर्धा, विषम परिस्थितियां और आसपास फैले हुए बहुत से नकारात्मक चरित्रों से संघर्ष के बाद ही संभव हो पाती है। अब मन को जैसे ही कड़े पथ पर डालते हैं तो वह घबरा जाता है। मन के अनुभव एक मिनट में खुशी पाने के हैं, तो मन जल्दी ही कड़ी मेहनत या कठोर श्रम के रास्ते से ऊब जाता है और परिणाम में बड़े लक्ष्य की प्राप्ति लगभग असंभव हो जाती है। मन सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में जीने लगता है और जीवन यथार्थ रूप नर्क बनता चला जाता है।

दरअसल, सोशल मीडिया पर लगातार चल रहे रुचिकर विषय व्यक्ति को जीवन का केंद्र बिंदु मानते हुए उसमें आत्ममुग्धता का भाव पैदा कर देते हैं। सोशल मीडिया पर आमतौर पर वही सामग्री डाली जाती है, जिसका संबंध व्यक्ति के सामान्य जीवन से नहीं होता । मसलन, बाहर भ्रमण के बढ़िया चित्र, पार्टी, कोई बड़ी सफलता, 'ब्यूटी ऐप' से मांजकर खींचे गए अतिशयोक्ति से भरे चित्र। अब यहां एक स्वभावगत प्रतिस्पर्धा के कारण हर व्यक्ति यही महसूस कर रहा है कि पूरी दुनिया एक अच्छा जीवन जी रही है और वह बहुत पीछे रह गया। इसके अलावा, स्क्रीन पर लगातार बढ़ता वक्त एक अदृश्य मादक पदार्थ की लत लगा रहा है। जब सोशल मीडिया देखने से शरीर 'डोपामाइन' का स्राव करता है, व्यक्ति को पुरस्कारस्वरूप खुशी मिलती है तो उसकी सोशल मीडिया पर निरंतर बने रहने की इच्छा उत्पन्न होती है। एक स्वचालित ढंग से घंटों, अंगुलियां स्क्रीन को स्क्राल करती रहती है। यहां समस्या यह होती है कि व्यक्ति को बिना किसी श्रम के एक समृद्ध डोपामाइन के फलस्वरूप खुशी मिल जाती है, लेकिन जैसे ही वह यथार्थ जीवन में आता है तो वहां पहाड़ जैसी समस्याएं खड़ी मिलती हैं। उसके चारों ओर एक आभासी और काल्पनिक दुनिया है, जो उसे सुख दे रही थी।

फिर यह समस्या खड़ी होती है कि एक सीमा के बाद पुरानी चीजों से खुशी मिलनी कम हो जाती है तो मन नई चीजों की तलाश में उलझता है और फिर व्यावसायिक संजाल उसे नई-नई चीजें देता चला जाता है। यहां व्यक्ति का स्क्रीन पर गुजरने वाला वक्त बढ़ जाता है और वह यथार्थ जीवन से बहुत दूर निकल जाता है । फिर जीवन के लक्ष्य बुरी तरह प्रभावित हो जाते हैं। सोशल मीडिया के भंवर से निकलना मुश्किल हो जाता है और फिर नाना प्रकार की बीमारियों का सामना करना पड़ता है। मानसिक और शारीरिक बीमारियां घर कर जाती हैं, गर्दन और पीठ दर्द, अवसाद, अकेलापन, आत्मविश्वास और स्मृति कम होना, नींद की कमी आदि ।

कुल मिलाकर तथ्य यह है कि सोशल मीडिया की अति से बचने और जीवन के यथार्थ को समझने की जरूरत है। इसका एक बड़ा उपाय यह है कि सप्ताह में एक दिन का सोशल मीडिया व्रत किया जाए। उस दिन चौबीस घंटे मोबाइल को अपने से दूर कर देना चाहिए । मुश्किल हो तो इसे अपने धार्मिक विश्वास से जोड़ लिया जा सकता । एक दिन के ऐसे व्रत के फलस्वरूप व्यक्ति की संकल्प शक्ति में वृद्धि होगी । इससे अनुभव होगा कि मोबाइल के बिना भी जिया जा सकता है। फिर सामान्य दिनों में काम करते हुए एक-दो घंटे के लिए मोबाइल को दूर रखा जा सकता है और धीरे - धीरे समय बढ़ाया जा सकता है। सोशल मीडिया से दूर होने में सकारात्मकता जरूरी है। उस समय व्यक्ति अपने को योग और ध्यान से जोड़ना चाहिए । सामाजिक मेल-मिलाप और अपने शौक, जैसे चित्रकारी, नृत्यकला, किताबें पढ़ना, बागवानी में अधिक समय व्यतीत करना चाहिए ।

# आयात शुल्क में कटौती के बाद सोने की तस्करी में आई उल्लेखनीय कमी, संजय कुमार अग्रवाल का बड़ा दावा

परिवहन विशेष न्यूज

**सीबीआईसी प्रमुख संजय कुमार अग्रवाल ने कहा, 'पिछले साल के बजट में सोने पर शुल्क की दर कम किए जाने के बाद सोने की तस्करी में उल्लेखनीय कमी आई है।' तस्करी, सीमा शुल्क या आयात या निर्यात प्रतिबंधों से बचने के लिए राष्ट्रीय सीमाओं के पार माल की गुप्त आवाजाही है।**

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार की तरफ से जुलाई, 2024 में बहुमूल्य धातु पर आयात शुल्क में कटौती के बाद से सोने की तस्करी में उल्लेखनीय कमी आई है। अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने यह बात कही है। सरकार ने जुलाई, 2024 में सोने पर आयात शुल्क घटाकर छह प्रतिशत किया गया था। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सीमा शुल्क और डीआरआई अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की अवधि में देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर 544 करोड़ रुपये मूल्य का 847 किलोग्राम सोना जब्त किया है। बता दें कि, जुलाई में, सरकार ने सोने पर सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया था।

**जब्त किए गए सोने की मात्रा का नहीं किया खुलासा**

संजय कुमार अग्रवाल ने पीटीआई के साथ साक्षात्कार में कहा, 'पिछले साल के बजट में सोने पर शुल्क की दर कम किए जाने के बाद सोने की तस्करी में उल्लेखनीय कमी आई है।' हालांकि, उन्होंने जब्त किए गए सोने की मात्रा या मूल्य का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा कि अधिकारी किसी भी मार्ग से मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात, सीमाओं और देश में आने वाले वाणिज्यिक कार्गो पर नियमित निगरानी रख रहे हैं।

**अकेले DRI ने 1,319 किग्रा सोना किया जब्त**

तस्करी, सीमा शुल्क या आयात या निर्यात प्रतिबंधों से बचने के लिए राष्ट्रीय सीमाओं के पार माल की गुप्त आवाजाही है। यह आमतौर पर तब होता है जब सीमा शुल्क इतना अधिक होता है कि तस्कर ऐसे उत्पादों को चोरी-छिपे लाकर अधिक लाभ कमा सकते हैं। सीबीआईसी के तहत राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) भारत में तस्करी-रोधी क्षेत्र में भारतीय सीमा शुल्क की शीर्ष एजेंसी है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, अकेले डीआरआई अधिकारियों ने 1,319 किलोग्राम सोना जब्त किया था।

यह 2023-24 में सीमा शुल्क अधिकारियों सहित सीबीआईसी की तरफ से जब्त किए गए 4,869.6 किलोग्राम सोने का हिस्सा है। वर्ष के दौरान सीबीआईसी द्वारा 1,922 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। दिसंबर में जारी डीआरआई की भारत में तस्करी पर रिपोर्ट के अनुसार, भारत अवैध सोने के आयात का एक प्रमुख गंतव्य बन गया है। इसमें सोना और चांदी मुख्य रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों से आते हैं, जहां ये धातुएं कम कीमतों पर उपलब्ध हैं।

**भारत में हवाई मार्ग के जरिए होती है सोने की तस्करी**

भारत में हवाई मार्ग के माध्यम से सोने की तस्करी एक प्रमुख माध्यम है। पश्चिम एशियाई और दक्षिण पूर्व एशियाई देश पारंपरिक रूप से इसके मुख्य उद्गम स्थल रहे हैं। हाल ही में नैरोबी और अदीस अबाबा जैसे अफ्रीकी हवाई अड्डे, साथ ही ताशकंद जैसे हवाई अड्डे भी तस्करी के के लिए प्रमुख स्थान बनकर उभरे हैं।

# एफडी में निवेश के लिए अब भी बेहतर विकल्प, केंद्र सरकार ने टीडीएस सीमा भी बढ़ाई

परिवहन विशेष न्यूज

**नई दिल्ली।** किसी भी वर्ष की पहली तिमाही टैक्स बचत और निवेश निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण होती है। इस समय हम सभी आर्थिक सुरक्षा को लेकर अहम फैसला करते हैं। बाजार में चल रहे उतार-चढ़ाव के बीच फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्थिरता, सुरक्षा और टैक्स लाभ प्रदान करने वाला एक विश्वसनीय और व्यावहारिक निवेश विकल्प बना हुआ है।

बजट की हालिया घोषणाओं ने एफडी को और अधिक आकर्षक बना दिया है। सरकार ने बैंक एफडी के लिए टीडीएस सीमा बढ़ा दी है। आम व्यक्तियों के लिए यह 40 से 50 हजार रुपये और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी गई है। आइए जानते हैं एफडी में निवेश से जुड़े प्रमुख लाभों के बारे में...

**बाजार में भारी अनिश्चितता**

अस्थिर बाजार में स्थिर विकल्प इन दिनों वैश्विक स्तर पर राजनीतिक तनाव और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के दौर में बाजार में भारी अनिश्चितता है। दीर्घकालिक लाभ की संभावना के बीच अल्पकालिक अस्थिरता निवेशकों को चिंतित रखे हुए है।

आय कर में छूट व रेपो रेट में कटौती से भी बाजार खुश नहीं है। ऐसे समय में एफडी एक मजबूत सहारे के रूप में उभरा है। उतार-चढ़ाव से अप्रभावित सुनिश्चित रिटर्न के साथ यह जोखिम से बचने वाले निवेशकों को मानसिक शांति प्रदान करता है। नियमित आय की तलाश वाले लोगों को लिए एफडी एक बेहतर है।

**सुरक्षा के साथ कर लाभः** एफडी बचत और टैक्स दक्षता का एक आदर्श संयोजन प्रदान करता है। टैक्स बचाने वाले एफडी के माध्यम से आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की कटौती प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें पांच वर्ष का लॉक-इन पीरियड होता है।

ईएलएसएस (इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम) और यूलिप (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान) जैसे अन्य टैक्स-बचत साधनों की तुलना में एफडी सरलता और सुनिश्चित रिटर्न के कारण अधिक आकर्षक हैं।

**ओवरड्राफ्ट सुविधाः** आपात आर्थिक स्थितियों में एफडी निवेश बनाए रखते हुए आवश्यक धनराशि प्राप्त करने का एक बेहतरीन समाधान प्रदान करता है। ओवरड्राफ्ट सुविधा के माध्यम से बैंक एफडी को गारंटी के रूप में स्वीकार करके एक क्रेडिट लाइन उपलब्ध कराते हैं।

ग्राहक एफडी की कुल राशि के एक निश्चित प्रतिशत तक ऋण ले सकते हैं। ब्याज केवल उपयोग की गई राशि पर देय होता है। एफडी गारंटी होने के कारण बैंक आमतौर पर प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर ऋण प्रदान करते हैं।

**सुगमताः** सुरक्षा व रिटर्न के साथ यह अपनी सरलता और आसान उपलब्धता के कारण भी एक बेहतर विकल्प है। बैंक शाखा के माध्यम से हो या डिजिटल प्लेटफार्म पर आनलाइन, एफडी खाता खोलना बेहद सरल है। इसके नियम-शर्तों को समझने के लिए किसी विशेष वित्तीय विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं होती। इसके साथ आटो-रिन्युअल, नामांकन और ऑनलाइन ट्रैकिंग जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं, जो इसे सुरक्षा के साथ-साथ सुविधा का भी प्रतीक बनाती हैं।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के डिप्टी सीईओ उत्तम टेबरिवाल का कहना है कि इस साल टैक्स प्लानिंग के वक्त अपने निवेश विकल्पों का मूल्यांकन करते समय एफडी के स्थायी लाभों पर विचार करें। आपका लक्ष्य भविष्य के खर्चों के लिए बचत करना हो, टैक्स लाभ प्राप्त करना हो या सिर्फ अपनी बचत को स्थिर रूप से बढ़ाना हो, एफडी आपके वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने में एक विश्वसनीय साथी बना रहेगा।

स्मार्ट निवेश का अर्थ केवल उच्च रिटर्न प्राप्त करना नहीं, बल्कि मानसिक शांति सुनिश्चित करना भी है और एफडी के माध्यम से आप दोनों प्राप्त कर सकते हैं।

# आरबीआई के बड़े फैसले: डिजिटल धोखाधड़ी पर नकेल, बैंक-एनबीएफ़सी वेबसाइट का बदलेगा नाम; ये तीन नियम मार्च 2026 तक स्थगित

परिवहन विशेष न्यूज

**आरबीआई के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कहा, डिजिटल धोखाधड़ी में बढ़ोतरी चिंता का विषय है। इस पर लगाम कसने के लिए सभी को जरूरी कदम उठाने की जरूरत है। इस निर्णय का उद्देश्य वित्तीय क्षेत्र में विश्वास बढ़ाना है।**

**नई दिल्ली।** डिजिटल धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) का इंटरनेट डोमेन नाम बदल जाएगा। इस बदलाव से बैंकों और एनबीएफसी की वेबसाइट का नाम भी बदल जाएगा। बैंकों को जहां बैंक डॉट इन का उपयोग करना होगा, वहीं एनबीएफसी को फिन डॉट इन का इस्तेमाल करना होगा। बैंकों के लिए एक अप्रैल से विशेष इंटरनेट डोमेन शुरू होगा। आने वाले समय में एनबीएफसी के लिए भी 'फिन डॉट इन' शुरू किया जाएगा।

आरबीआई के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कहा, डिजिटल धोखाधड़ी में बढ़ोतरी चिंता का विषय है। इस पर लगाम कसने के लिए सभी को जरूरी कदम उठाने की जरूरत है। इस निर्णय का उद्देश्य वित्तीय क्षेत्र में विश्वास बढ़ाना है। वित्तीय सेवाओं के तेजी से डिजिटलीकरण से ग्राहकों को बेहतर सुविधा मिल रही है। हालांकि, साइबर खतरा और डिजिटल जोखिम भी बढ़ गया है। इनमें हर दिन बढ़ोतरी हो रही है।

आरबीआई की इस पहल का उद्देश्य साइबर सुरक्षा खतरों और फिशिंग जैसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को कम करना और सुरक्षित वित्तीय सेवाओं को सुव्यवस्थित करना है, जिससे डिजिटल बैंकिंग और भुगतान सेवाओं में लोगों का विश्वास बढ़े। गवर्नर ने कहा, इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट एंड रिसर्च इन बैंकिंग टेक्नोलॉजी (आईडीआरबीटी) विशेष रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करेगा। इसी तरह, गैर-वित्तीय संस्थानों के ग्राहकों की भी सुरक्षा का निर्णय लिया गया है। उनके लिए भी विशेष डोमेन उपलब्ध कराया जाएगा। वास्तविक पंजीकरण अप्रैल, 2025 से शुरू होंगे। बैंकों के लिए विस्तृत निर्देश अलग से जारी होंगे।

**आयकर में राहत से महंगाई बढ़ने का खतरा नहीं**

बजट में मध्य वर्ग को आयकर में राहत देने से देश में खपत बढ़ेगी। हालांकि, खपत में बढ़ोतरी से महंगाई बढ़ने का खतरा नहीं है, बल्कि इससे आर्थिक वृद्धि को जरूर समर्थन मिलेगा। यह बजट महंगाई और वृद्धि दोनों के नजरिये से शानदार है। -संजय मल्होत्रा, गवर्नर, आरबीआई

**सीमा पार भुगतान और सुरक्षित होगा, ग्राहकों का बढ़ा भरोसा**

आरबीआई ने सीमा पार 'कार्ड नॉट प्रेजेंट' लेनदेन में प्रमाणीकरण के अतिरिक्त कारक (एएफए) को सक्षम कर सुरक्षा का दायरा और बढ़ा दिया है। डिजिटल भुगतान के लिए एएफए की शुरुआत से लेनदेन की सुरक्षा बढ़ी है, जिससे ग्राहकों का डिजिटल भुगतान में भरोसा बढ़ा है। हालांकि, यह सिर्फ घरेलू लेनदेन के लिए अनिवार्य है।

भारत में जारी कार्डों का उपयोग कर ऑनलाइन सीमा पार लेनदेन के लिहाज से समान स्तर की सुरक्षा प्रदान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्ड नॉट प्रेजेंट (ऑनलाइन) लेनदेन के लिए भी एएफए को सक्षम करने का प्रस्ताव है। शेयरधारकों से प्रतिक्रिया के लिए मसौदा जल्द जारी होगा।

**जाड़े में सब्जियों के दाम घटने और रबी फसलों की बेहतर पैदावार से खाद्य कीमतों में आएगी गिरावट**

खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में नरमी की उम्मीद के बीच खुदरा महंगाई अगले वित्त वर्ष 2025-26 में घटकर 4.2 फीसदी रह सकती है। चालू वित्त वर्ष में इसके 4.8 फीसदी रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर ने कहा, आपूर्ति के मार्चे पर किसी झटके की आशंका नहीं है। खरीफ फसलों का उत्पादन बेहतर रहने, जाड़े में सब्जियों के दाम घटने और रबी फसलों को लेकर अनुकूल संभावनाओं को देखते हुए खाद्य महंगाई में उल्लेखनीय कमी आनी चाहिए। हालांकि, मुख्य (कोर) महंगाई बढ़ने का अनुमान है, लेकिन यह मध्यम स्तर पर रहेगी। चालू वित्त वर्ष में दिसंबर तक कुल महंगाई में सब्जियों और दालों का योगदान 32.3 फीसदी था।

गवर्नर ने कहा, खाद्य पदार्थों को लेकर अनुकूल स्थिति और पिछली मौद्रिक नीति समीक्षाओं में उठाए गए कदमों का असर जारी है। खुदरा महंगाई धीरे-धीरे चार फीसदी के लक्ष्य के आसपास आ जाएगी।

आरबीआई ने खुदरा महंगाई के 2025-26 की पहली तिमाही में 4.5 फीसदी, दूसरी तिमाही में 4 फीसदी, तीसरी तिमाही में 3.8 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

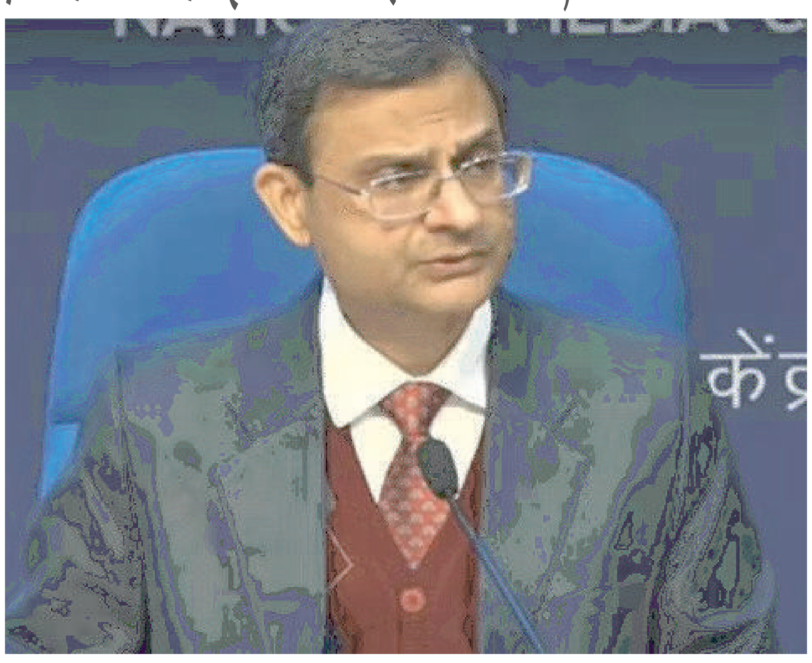

सब्जियों और अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतें घटने से खुदरा महंगाई दिसंबर, 2024 में कम होकर चार महीने के निचले स्तर 5.22 फीसदी पर आ गई। नवंबर में यह 5.48 फीसदी थी। अक्तूबर में खुदरा महंगाई बढ़कर 14 महीने के उच्च स्तर 6.21 फीसदी पर पहुंच गई थी।

**अब भी बना हुआ है जोखिम**

आरबीआई गवर्नर ने कहा, ऊर्जा की कीमतों में अस्थिरता और प्रतिकूल मौसम की घटनाओं के साथ वैश्विक वित्तीय बाजारों में जारी अनिश्चितता को देखते हुए महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए खुदरा महंगाई चालू वित्त वर्ष में 4.8 फीसदी और 2024-25 की चौथी तिमाही में 4.4 फीसदी रहने का अनुमान है।

**रुपयाः विनिमय दर वर्षों से स्थिर, कोई लक्ष्य तय नहीं**

रुपये में लगातार गिरावट के बीच आरबीआई गवर्नर ने कहा, विनिमय दर नीति पिछले कई वर्षों से एक समान रही है। केंद्रीय बैंक ने रुपये के लिए किसी 'विशिष्ट स्तर या दायरे' का लक्ष्य नहीं बनाया है। भारतीय रुपये की विनिमय दर बाजार तत्व निर्धारित करते हैं। हमारा मकसद बाजार की कार्यकुशलता से समझौता किए बिना व्यवस्था और स्थिरता बनाए रखना है।

गवर्नर ने कहा, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती को लेकर उम्मीदें घटने से अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ है। बॉन्ड पर रिटर्न बढ़ा है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में बड़े पैमाने पर पूंजी निकासी हुई है, जिससे उनकी मुद्राओं में तेज गिरावट आई है।

रुपया इस साल अब तक करीब दो फीसदी टूट चुका है। 6 नवंबर, 2024 को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद से डॉलर के मुकाबले रुपये में 3.2 फीसदी की गिरावट आई है।

**तीन जरूरी नियम 31 मार्च, 2026 तक के लिए स्थगित**

कर्जदाताओं को तैयारी के लिए पर्याप्त समय देने को आरबीआई ने तीन प्रस्तावित महत्वपूर्ण बैंकिंग नियमों के कार्यान्वयन को 31 मार्च, 2026 तक स्थगित करने का फैसला लिया है।

पहला, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को कर्ज देने के लिए कड़े नियमों का प्रस्ताव था। दूसरा, डिजिटल जमा के लिए अधिक राशि अलग रखने और तीसरा अपेक्षित क्रेडिट घाटे के लिए एक रूपरेखा पेश करने की योजना बनाने का नियम था। इन नियमों के कारण सरकार को कर्ज का प्रवाह प्रभावित होने का डर था। सरकार का मानना था कि आर्थिक मंदी के लिए कड़े बैंकिंग नियम जिम्मेदार हैं।

आरबीआई गवर्नर ने कहा, हम कोई व्यवधान पैदा नहीं करना चाहते। इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। हम नहीं चाहते कि सभी मानदंड एक साथ लागू हो जाएं।

# आम लोगों को लगेगा झटका: बिस्किट से लेकर फोन टैरिफ हो सकते हैं महंगे, कंपनियों का संकेत- कीमतें बढ़ाना मजबूरी

**ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने कहा, वह चालू वित्त वर्ष के अंत तक उत्पादों की कीमतों में 4.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकती है। वाइस चेयरमैन वरुण बेरी ने हाल में कंपनी के तीसरी तिमाही के परिणाम के दौरान निवेशकों से कहा, हर कंपनियां बहुत देर से मूल्य वृद्धि करती हैं।**

**नई दिल्ली।** आयकर में भारी राहत और कर्ज पर किस्त कम होने की उम्मीदों के विपरीत आम लोगों को झटका लग सकता है। बिस्किट से लेकर फोन टैरिफ महंगे हो सकते हैं। दोनों क्षेत्रों की दो बड़ी कंपनियों ने इस तरह का संकेत दिया है।

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने कहा, वह चालू वित्त वर्ष के अंत तक उत्पादों की कीमतों में 4.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकती है। वाइस चेयरमैन वरुण बेरी ने हाल में कंपनी के तीसरी तिमाही के परिणाम के दौरान निवेशकों से कहा, हर कंपनियां बहुत देर से मूल्य वृद्धि करती हैं। हर किसी को यह बात याद आ रही है कि यह महंगाई दूर होने वाली नहीं है। कच्चे सामग्रियों की कीमतें अभी भी ऊंची हैं, जिससे कंपनी के मार्जिन पर असर पड़ रहा है।

बेरी के अनुसार, मूल्य समायोजन निरंतर मुद्रास्फीति के माहौल के बीच किया गया है, जिसमें खाद्य महंगाई ऊंची बनी हुई है। चालू तिमाही में आप देखें तो खाद्य महंगाई दो अंकों से ऊपर ही रही है। अनाज की कीमतें 6.5%, तेल-वसा लगभग 15%, और सब्जियां व फल 9 फीसदी या इससे भी ज्यादा महंगे हुए हैं। इस वजह से सभी उत्पादों की कीमतों पर असर पड़ रहा है। इसलिए इसका कुछ भार ग्राहकों पर भी डालना होगा। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने दो फीसदी तक कीमतें बढ़ाई थी, जिससे राजस्व 100 करोड़ रुपये बढ़ गया था।

**कमोडिटी की बढ़ती कीमतों से एफएमसीजी कंपनियां परेशान**

कमोडिटी की कीमतों में अस्थिरता के चलते फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियां परेशान हैं। साबुन, शैंपू, डिटर्जेंट, सौंदर्य प्रसाधन और खाद्य उत्पादों में उपयोग किए जाने वाले कच्चे पाम तेल के दामों में ज्यादा वृद्धि हुई है। एचयूएल का कहना है कि दिसंबर तिमाही में पाम तेल की कीमतें सालाना आधार पर 40 फीसदी तक बढ़ी हैं। चाय की कीमतें 24% बढ़ीं। इससे एचयूएल और गोदरेज जैसी कंपनियों ने पहले भी उत्पादों के दाम बढ़ा दिए हैं।

**मोबाइल टैरिफ बढ़ाना जरूरी**

उधर, एयरटेल के प्रबंध निदेशक गोपाल विट्ठल ने कहा, क्षेत्र की वित्तीय स्थिरता के लिए मोबाइल फोन टैरिफ में और वृद्धि जरूरी है। तिमाही परिणाम के बाद निवेशकों से बात करते हुए कहा, प्रति ग्राहक कमाई भारत में अभी भी दुनिया की तुलना में काफी कम स्तर पर बनी हुई है। उद्योग को वित्तीय रूप से स्थिर बनाने और निरंतर आधार पर उचित रिटर्न देने के लिए टैरिफ बढ़ाने की और जरूरत है।

**जुलाई में 21 फीसदी तक बढ़ा था टैरिफ**

एयरटेल सहित करीब सभी दूरसंचार कंपनियों ने पिछले साल जुलाई में 10 से 21 फीसदी तक टैरिफ में बढ़ोतरी की थीं। इससे प्रति ग्राहक कमाई बढ़ गई थी। एयरटेल की प्रति ग्राहक कमाई तो अब 245 रुपये के पार पहुंच गई है जो एक साल पहले 208 रुपये थी। कंपनी ने 2024 में 48,927 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

# विदेशी निवेश को बढ़ाने के लिए सरकार कर रही बदलाव, इन क्षेत्र में नियमों में मिल सकती है और ढील

परिवहन विशेष न्यूज

**भारत में अधिक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने के लिए सरकार कुछ क्षेत्रों में प्रक्रियाओं को आसान बनाने पर विचार कर रही है। वहीं सरकार कई क्षेत्र में नियमों में ढील देने पर भी विचार कर रही है।**

**नई दिल्ली।** भारत में अधिक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने के लिए सरकार कुछ क्षेत्रों में प्रक्रियाओं को आसान बनाने पर विचार कर रही है। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी साझा की है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इस विषय पर कई सरकारी विभागों, नियामकों, उद्योग संगठनों, कानूनी कंपनियों, पेंशन फंड्स, प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल निवेशकों के साथ चर्चा की है।

अधिकारी ने बताया, 'हमने सभी हितधारकों से विचार-विमर्श पूरा कर लिया है। हमें अलग-अलग मुद्दों पर सुझाव मिले हैं। अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन प्रक्रियागत नियमों को सरल बनाने पर विचार किया जा रहा है।' हालांकि, अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किन क्षेत्रों में नियमों में ढील दी जा सकती है।

**प्रमुख मुद्दे जो चर्चा में आए**

ई-कॉमर्स क्षेत्र में – केवल निर्यात के लिए इन्वेंटरी आधारित ऑनलाइन व्यापार मॉडल में एफडीआई की अनुमति देने का प्रस्ताव है। वहीं, प्रेस नोट 3 में बदलाव – लाभकारी स्वामित्व की परिभाषा स्पष्ट करने की मांग की गई है। जबकि, सिंगल-ब्रांड रिटेल ट्रेडिंग – नीति में कुछ बदलाव का सुझाव भी आया है। बता दें कि, प्रेस नोट 3 के तहत भारत की सीमा से लगे देशों के निवेशकों को

किसी भी सेक्टर में निवेश से पहले सरकारी मंजूरी लेनी होती है।

**भारत में क्या है एफडीआई की स्थिति?**

अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक भारत में कुल 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का एफडीआई आया।

अप्रैल-सितंबर 2024 में निवेश 45% बढ़कर 29.79 बिलियन डॉलर हो गया।

सेवाएं, आईटी, दूरसंचार, ऑटोमोबाइल, रसायन और दवा उद्योग जैसे सेक्टर सबसे ज्यादा एफडीआई आकर्षित कर रहे हैं।

**विशेषज्ञों ने क्या दिया सुझाव?**

एफडीआई मंजूरी प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी बनाया जाए।

सिंगल-विंडो क्लियरेंस सिस्टम लागू हो।

भूमि अधिग्रहण और विवाद समाधान को आसान बनाया जाए।

'डीम्ड अप्रूवल' (निर्धारित समय सीमा में मंजूरी न मिलने पर आवेदन स्वतः स्वीकृत हो) लागू किया जाए।

मामले में डेलॉइट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि ग्रीनफील्ड निवेश (नए प्रोजेक्ट्स में निवेश) की संभावनाएं अधिक हैं, जिन्हें प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए। वहीं कानूनी विशेषज्ञों ने यह भी सुझाव दिया कि एफडीआई नीति को सरल और स्पष्ट बनाया जाए, ताकि विदेशी निवेशकों को अनावश्यक देरी और अनिश्चितता से बचाया जा सके।

# रिदमशाला: बच्चों के लिए रिदम का महत्व - प्रियंका

बचपन में जो आदतें डाली जाती हैं, वे जीवनभर हमारे व्यक्तित्व और सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित करती हैं। इसी संदर्भ में रिदम (ताल) का विशेष महत्व है, जिसे यदि प्रारंभिक शिक्षा से ही बच्चों के जीवन का हिस्सा बनाया जाए, तो यह न केवल उनके मानसिक विकास को बढ़ावा देगा बल्कि उनके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव भी लाएगा। रिदमशाला, डॉ. अंकुर शरण के नेतृत्व में, इसी सोच को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। उनके साथ वरुण स्वरूप, सौरभ और कुलदीप जैसे समर्पित सदस्य मिलकर दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न स्कूलों में कार्यशालाएँ आयोजित कर रहे हैं, ताकि बच्चों को रिदम के महत्व से अवगत कराया जा सके।

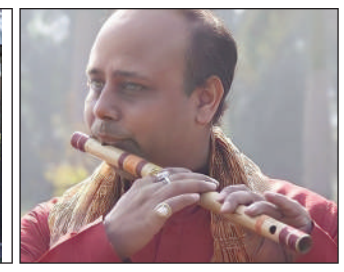

**रिदम: एक सकारात्मक ऊर्जा**

रिदम केवल संगीत या नृत्य का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह जीवन का आधार है। हमारे दिल की धड़कन, सांस लेने की प्रक्रिया, प्रकृति में दिन और रात का चक्र, सभी में एक लय होती है। जब हम इस लय को समझते और अपनाते हैं, तो हमारा जीवन संतुलित और अनुशासित बनता है। बच्चों के लिए रिदम सीखना इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि यह उनकी एकाग्रता, अनुशासन और आत्म-अनुशासन को मजबूत करता है।

**बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास में रिदम की भूमिका**

बच्चों की शिक्षा में रिदम को शामिल करने से उनकी स्मरण शक्ति (मेमोरी), गणितीय क्षमता, भाषा कौशल और रचनात्मकता में वृद्धि होती है। जब बच्चे तालबद्ध गतिविधियों में भाग लेते हैं, तो उनकी न्यूरोलॉजिकल प्रक्रियाएँ तेज होती हैं, जिससे उनका मस्तिष्क अधिक सक्रिय और कुशाग्र बनता है। यही कारण है कि रिदम आधारित खेल और संगीत गतिविधियाँ बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी मानी जाती हैं।

**स्कूलों में रिदमशाला की पहल**

रिदमशाला के तहत, दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न स्कूलों में वर्कशॉप्स का आयोजन किया गया, जहाँ बच्चों को रिदम के माध्यम से सीखने और आत्म-अभिव्यक्ति के नए तरीके सिखाए गए। ये वर्कशॉप्स बच्चों को न केवल संगीत और लयबद्ध गतिविधियों से जोड़ती हैं, बल्कि उनमें टीम वर्क, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा भी भरती हैं। जब बच्चे किसी तालबद्ध गतिविधि में भाग लेते हैं, तो वे खुद को ज्यादा ऊर्जावान और खुश महसूस करते हैं, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

**रिदम को दिनचर्या का हिस्सा बनाना आवश्यक**

आज के समय में, जब बच्चे स्क्रीन और डिजिटल डिवाइसेस पर अधिक निर्भर हो गए हैं, रिदम आधारित गतिविधियाँ उन्हें वास्तविक दुनिया से जोड़ने का एक बेहतरीन माध्यम बन सकती हैं। यदि स्कूलों में रिदम को एक अनिवार्य विषय के रूप में जोड़ा जाए और बच्चों को रोज़मर्रा की गतिविधियों में शामिल किया जाए, तो वे न केवल शारीरिक रूप से सक्रिय रहेंगे, बल्कि मानसिक रूप से भी अधिक स्थिर और आत्मविश्वासी बनेंगे।

रिदम न केवल संगीत का हिस्सा है, बल्कि जीवन की धारा है। रिदमशाला के माध्यम से डॉ. अंकुर शरण और उनकी टीम यह सुनिश्चित कर रही है कि बच्चों को यह महत्वपूर्ण जीवन कौशल सिखाया जाए, ताकि वे एक सकारात्मक और संतुलित जीवन जी सकें। स्कूलों में रिदम आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाएगा, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

# बी आई टी प्लेटिनम जुबली समारोह हेतु राष्ट्रपति का दो दिवसीय झारखंड दौरा

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

**रांची**, मयूरभंज - ओडिशा माटी की बेटी तथा झारखंड की पूर्व राज्यपाल सह देश की प्रथम नागरिक महामहिम द्रोपदी मुर्मू का रांची बीआईटी मेसरा के प्लेटिनम जयंती समारोह के अवसर पर 14- 15 फरवरी को दो दिन के लिए रांची आगमन होगा। इस आगमन की तैयारी को लेकर रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के नेतृत्व में जिला प्रशासन की टीम ने बीआईटी मेसरा के कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने कार्यक्रम स्थल पर बैठक करते हुए सुरक्षा के सभी मानकों एवं पूरी व्यवस्था पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग और अन्य तैयारियों ससमय पूरा करने का निर्देश उपायुक्त ने दिया। सुरक्षा के सभी मानक पर कार्य करते हुए रूट प्लान, ट्रैफिक प्लान, मार्ग में पड़ने वाले क्षेत्रों की बैरिकेडिंग की जा रही है। वाहनों की जांच भी की जा रही है। बैठक में बीआईटी मेसरा के कुलपति डॉ इंद्रनिल मन्ना, डीआईजी चंदन कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त, दिनेश कुमार यादव, सिटी एसपी राजकुमार मेहता, अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार, अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था राजेश्वर नाथ आलोक, जिला नजारत उप समाहर्ता डॉ सुदेश कुमार एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

# छात्रों को एग्जाम टिप्स देंगे पीएम मोदी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों, शिक्षकों और माता-पिता से 2025 के 'परीक्षा पे चर्चा' में शामिल होने का आग्रह किया है। 'परीक्षा पे चर्चा' के जरिए पीएम मोदी एग्जाम के तनाव और तैयारी की रणनीतियों को लेकर छात्रों से संवाद करते हैं। परीक्षा पे चर्चा का आठवां संस्करण 10 फरवरी, 2025 को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस साल 5 करोड़ से अधिक छात्र, शिक्षक और माता-पिता भाग लेंगे. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "आइए हम अपने परीक्षा योद्धाओं को परीक्षा के तनाव को पार करने में मदद करें। कृपया कल, 10 फरवरी को सुबह 11 बजे 'परीक्षा पे चर्चा' देखें।" परीक्षा पे चर्चा 2025 को दूरदर्शन (डीडी राष्ट्रीय, डीडी न्यूज़, डीडी इंडिया), शिक्षा मंत्रालय का यूट्यूब चैनल और फेसबुक लाइव, शिक्षा मंत्रालय और पीएमओ के आधिकारिक एक्स हैंडल पर देखा जा सकता है। इसके अलावा यह सभी इंडिया रेडियो मीडियम वेव और एफएम स्टेशनों सहित रेडियो चैनलों पर भी उपलब्ध होगा। लाइव स्ट्रीमिंग पीएमओ, शिक्षा मंत्रालय, दूरदर्शन और MyGov.in की आधिकारिक वेबसाइटों पर भी आयोजित की जाएगी। इस साल 'परीक्षा पे चर्चा' के लिए सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों से 36 छात्रों को चुना गया है। ये छात्र राज्य बोर्डों के तहत सरकारी स्कूलों, केंद्रीय विद्यालयों, सैनिक स्कूलों, एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूलों, सीबीएसई और जवाहर नवोदय विद्यालयों से चुने गए हैं।

# मो बस ने तीन माह में 70 से अधिक दुर्घटनाएं की

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

**भुबनेश्वर**: मेरी बस दुर्घटना ने राजधानी में चिंता बढ़ा दी है। मेरे बस चालकों की लापरवाही खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। पिछले तीन महीनों में 70 से अधिक दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें दो आमने-सामने की टक्कर और 28 से अधिक गंभीर दुर्घटनाएं शामिल हैं। यद्यपि शहर के अधिकारियों ने जनता के असंतोष को दूर करने के लिए अतीत में कई कदम उठाए हैं, लेकिन वे बस दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठा रहे हैं।यद्यपि लापरवाही से वाहन चलाने के लिए 17 चालकों को निलंबित कर दिया गया, फिर भी कोई परिणाम प्राप्त नहीं हुआ। इसलिए, सीआरयूईटी और कमिश्नरेट पुलिस द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की गई। बैठक से निकले निष्कर्षों के अनुसार मेरी बस दुर्घटना के पीछे कई कारण हैं। इसके लिए सिर्फ ड्राइवरों की लापरवाही ही जिम्मेदार नहीं है।

विभिन्न कारणों पर चर्चा की गई, जिनमें कुछ ड्राइवरों की शराब पीने की आदत, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, काम करने की समय सीमा, 8 घंटे के बजाय अधिक समय तक काम करने के लिए मजबूर होना, कुशल और अनुभवी ड्राइवरों की कमी और अपेक्षाकृत कम वेतन शामिल थे। इन सबके बावजूद, ड्राइवरों को अधिक सावधान रहने की सलाह दी जाती है। पुलिस आयुक्त सुरेश देवदत्त सिंह ने वाहन चालकों को अन्य लोगों की अपेक्षा अधिक सतर्क एवं सावधान रहने की सलाह दी है। उन्होंने चेतावनी दी कि निरीक्षण के दौरान यदि किसी ने नियमों का उल्लंघन किया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि मेरे बस चालकों की समय-समय पर स्वास्थ्य जांच की जाएगी, जिसमें उनकी दृष्टि और मानसिक स्वास्थ्य की जांच भी शामिल होगी। इसी तरह, क्रुत के एमडी एम. तिरुमाला नायक ने कहा कि शहर के अंदर और बाहर मेरी बसों की गति सीमा पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। शहर के अंदर गति सीमा 40 किमी/घंटा और शहर के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग पर 50 किमी/घंटा होगी। बैटरी चालित बस की गति 35 किमी/घंटा होगी।

सीरवी समाज तेलंगाना बालाजी नगर अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हिरालाल चोयल, ने सर्व समाज के पदाधिकारियों का सम्मान किया। अवसर पर समस्त कार्यकारणी पदाधिकारी व समाज बन्धु उपस्थित रहे।

## श्री आईजी गौशाला में सन्त श्री जीताराम जी महराज का भव्य सम्मान किया

श्री आईजी गौशाला बालाजी नगर में श्री श्री 1008 श्री गुललाराम जी महराज सेव संघ ने मंडल हैदराबाद में महाराष्ट्र पुना से पधारे सन्त श्री जीताराम जी महराज का भव्य स्वागत किया इस अवसर पर गौशाला परिवार व गोभक्त उपस्थित रहे।

# वसंत नहीं अब सीधा आएगी गर्मी! IMD ने किस बात की दी चेतावनी, फसल पर भी पड़ेगा बुरा असर

**नई दिल्ली।** मौसम पर ग्लोबल वार्मिंग का असर तेजी से पड़ रहा है, इस बार क्लाइमेट चेंज की वजह से ठंड उम्मीद से भी ज्यादा कम थी। वहीं अब बताया जा रहा है इस साल वसंत भी नहीं पड़ेगी, मौसम विभाग के मुताबिक, इस साल वसंत नहीं सीधा गर्मी शुरू होगी। आईएमडी ने मौसम को लेकर जानकारी दी है, 'फरवरी के आखिरी हफ्ते या मार्च की शुरुआत में तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होगी।' मौसम विभाग का अनुमान है कि उत्तर-पश्चिम से लेकर मध्य व पूर्वी भारत के अधिकतर हिस्सों में फरवरी में बारिश भी सामान्य से 20 प्रतिशत कम रहेगी। बारिश की कमी से हवा में नमी घटेगी और तापमान में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। ऐसे में, फरवरी में तापमान सामान्य से ज्यादा पहुंचने की संभावना है। दक्षिणी राज्यों में अभी से तापमान सामान्य से अधिक दर्ज होने लगा है। आमतौर पर यहां फरवरी में तापमान 30-32 डिग्री सेल्सियस तक रहता है, इस बार कई इलाकों में तापमान 33 से 37 डिग्री तक जा चुका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, केरल के पलक्कड़ में रात का तापमान 26.6 डिग्री रहा, जो सामान्यतः 20-21 डिग्री रहता है। अगर यही स्थिति रही तो आने वाले समय में ठंड का प्रकोप बिल्कुल खत्म हो जाएगा और गर्मी से लोगों का बुरा हाल हो जाएगा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस बदलाव की बड़ी वजह ला-नीना की परिस्थितियां हैं। इसका असर रबी की फसल पर भी पड़ेगा।

# गिग वर्कर्स को पेंशन: सरकार की एक बड़ी और नायाब पहल!

भारत सरकार 'गिग वर्कर्स' को एक बड़ा तोहफा देने जा रही है। पाठकों को बताता चलूं कि गिग वर्कर को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है, जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से आय अर्जित करता है।दरअसल, देश के लगभग एक करोड़ गिग वर्कर्स(असंगठित क्षेत्र के मजदूरों) के लिए श्रम मंत्रालय द्वारा ईपीएफओ पेंशन स्कीम पर काम किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार अब बिना नौकरी, बिना वेतन या रोजाना सैलरी के केवल काम या ट्रांजैक्शन के आधार पर भुगतान पाने वाले डिलीवरी ब्वॉय, कूरियर ब्वॉय समेत देश के लगभग एक करोड़ गिग वर्कर्स को अब पेंशन का फायदा मिलेगा।इसके लिए उन्हें ई-श्रम पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। वास्तव में, इन गिग वर्कर्स को पेंशन की यह सुविधा उनके ट्रांजेक्शन के साथ लिंक होगी। मतलब यह कि वे कितना काम करते हैं या डिलीवरी ब्वॉय के रूप में कितनी जगहों पर सामान पहुंचाते हैं, इसके आधार पर ही उनके पेंशन के लिए योगदान की गणना होगी।जानकारी देना चाहूंगा कि ये गिग वर्कर्स ऑनलाइन उपभोक्ता सेवाएं दे रही एग्रीगेटर कंपनियों के प्लेटफॉर्म पर काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक इन वर्कर्स के लिए कोई सामाजिक सुरक्षा कवच उपलब्ध नहीं था, लेकिन अब इन गिग वर्कर्स को पेंशन देने के लिए एग्रीगेटर कंपनियों से मिनिमम कॉन्ट्रीब्यूशन लिया जाएगा। इसके लिए उनके हर बिलिंग लेन-देन से दो या तीन प्रतिशत राशि पेंशन अंशदान के लिए इकट्ठा की जाएगी। जानकारी के अनुसार उन्हें (गिग वर्कर्स को) यूनिवर्सल अकाउंट नंबर जारी किये जाएंगे। इसमें गिग वर्कर दो-तीन एग्रीगेटर कंपनियों के लिए किए काम करते हुए एक ही खाते में सबका पेंशन प्राप्त कर सकेगा। वास्तव में गिर वर्कर्स स्थाई कर्मचारी नहीं होते हैं और अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए इन्हें एक से ज्यादा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर काम करना पड़ता है।ऐसे में सभी कंपनियों की बिलिंग में पेंशन अंशदान काटा जाएगा। गौरतलब है कि हाल ही में वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में ई-श्रम पोर्टल पर गिग वर्कर्स

का पंजीकरण करने की सुविधा देने के साथ ही उन्हें पहचान पत्र देने की भी घोषणा की थी, सरकार का यह कदम काबिले-तारीफ है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि गिग वर्कर्स और दिहाड़ी मजदूर में अंतर होता है। गिग वर्कर्स की बात करें तो उनके मामले में किसी सेवा और प्रोडक्ट की बिक्री ई-पेमेंट के जरिए होती है। ई-पेमेंट होने के कारण किसी ट्रांजेक्शन को छिपाया नहीं जा सकता है। वहीं दिहाड़ी मजदूर और प्रवासी को उनका पारिश्रमिक नकद या कैश के रूप में मिलता है। दिहाड़ी मजदूरों के सामने एक समस्या यह है कि उन्हें काम के लिए कभी कहीं तो कभी कहीं जाना पड़ता है। मसलन कभी कोई दिहाड़ी मजदूर निर्माण करता है तो कभी वह खेती में दिहाड़ी करता है तो कभी कल-कारखानों या कहीं अन्य स्थानों पर काम करता है। वास्तव में इन करोड़ों दिहाड़ी कामगारों और उनके परिवारों का भविष्य सुरक्षित नहीं है, क्यों कि इन्हें काम पाने के लिए इधर से उधर भटकना पड़ता है। वास्तव में यह बात कही जा सकती है कि आज हमारे देश में कैश पर काम करने वाले इन दिहाड़ी मजदूरों/कामगारों को कोई सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिल सका है। ऐसे मजदूर अधिकतर उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा जैसे राज्यों से आते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स बतातीं हैं कि अब सरकार गिग वर्कर्स को पीएम जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य सुविधा भी देने जा रही है, जो ऐसे वर्कर्स के लिए एक वरदान साबित होगा। यह काबिले-तारीफ है कि सरकार के इस कदम से स्ट्रीट वेंडर्स और कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले, ऐमजॉन, फ्लिपकार्ट, ई-कामर्स कंपनियां, जोमैटो, स्विगी, ओला, उबर जैसे ऑनलाइन जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़े श्रमिकों(गिग वर्कर्स) को विभिन्न सरकारी एजेंसियों की सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ मिलने में मदद मिल सकेगी। पाठकों को बताता चलूं कि इस पेंशन योजना के तहत श्रमिकों को सेवानिवृत्ति के समय दो विकल्प दिए जा सकते हैं, जब उनकी पेंशन तय हो जाएगी। वे जमा पर ब्याज को पेंशन के रूप में निकाल सकते हैं या संचित धन को निर्धारित अवधि के लिए बराबर किस्तों में विभाजित कर सकते हैं।हालांकि, यह बात अलग है कि सामाजिक सुरक्षा योजना के लिए योगदान की जाने वाली राशि अभी तय नहीं की गई है। गिग श्रमिक एक साथ दो या अधिक प्लेटफॉर्म के लिए काम कर सकते हैं। कितनी अच्छी बात है कि गिग एंड प्लेटफॉर्म लेबर एक्ट आ जाने के बाद इन श्रमिकों को कई तरह के लाभ मिलने शुरू हो जाएंगे।मसलन, उनको काम करने के बदले सुरक्षा की गारंटी होगी, दुर्घटना बीमा का लाभ भी उनके परिजनों को मिल सकेगा। इतना ही नहीं इन श्रमिकों के काम करने के घंटे भी अब तय होंगे। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि कि गिग वर्कर में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले ज्यादातर श्रमिक स्वतंत्र रूप से ठेके पर काम करने वाले कर्मचारी होते हैं। आज हमारे देश भारत में इन दिनों इस क्षेत्र में लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। वास्तव में गिग इकॉनमी में आज घातीय वृद्धि हुई है, क्यों कि आज का युग डिजिटल युग है। यहां यदि हम गिग इकॉनमी की बात करें तो 'यह एक मुक्त बाज़ार प्रणाली है जिसमें पारंपरिक पूर्णकालिक रोज़गार की बजाय अस्थायी रोज़गार का प्रचलन होता है और संगठन अल्पकालिक अनुबंधों के लिये स्वतंत्र श्रमिकों के साथ अनुबंध करते हैं।'कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के इस डिजिटल युग में किसी वर्कर्स को एक निश्चित स्थान पर बैठने की आवश्यकता नहीं है और काम कहीं से भी किया जा सकता है, इसलिये नियोक्ता किसी परियोजना के लिये उपलब्ध सर्वोत्तम प्रतिभा का चयन स्थान से परे कार्य कर सकते हैं।भारत जैसे देश में गिग इकॉनमी भारत के अनौपचारिक श्रम का विस्तार है, जो लंबे समय से प्रचलित है और अनियंत्रित बनी हुई है।कोविड-19 महामारी के कारण 'गिग वर्कर्स' की मांग में तेज़ी देखने को मिली। बहरहाल, अब इन गिग वर्कर्स को ईपीएफओ पेंशन दायरे में लाने का फैसला सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक बड़ी व नायाब पहल है,जिसका लाभ इन सभी कामगारों और इनके परिवारों को होगा।

**सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023